राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, रविवार, 03 मई 2026

वर्ष 14, अंक 24, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

खबर का बड़ा असरः बिराहिमपुर में शुरू हुई सरकारी नलों की मरम्मत...03

EVM गड़बड़ी पर ममता की सख्त चेतावनी...04

चुनाव आयोग का बड़ा फैसला, बंगाल की फलता विधानसभा सीट पर 21 मई को फिर से वोटिंग

मतदान में गड़बड़ी के लगे थे आरोप

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फलता विधानसभा सीट पर मतदान के दौरान गड़बड़ी को लेकर चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला किया है. चुनाव आयोग ने फलता विधानसभा सीट पर 29 अप्रैल को हुए मतदान स्थगित करने की घोषणा की है. चुनाव आयोग ने अलग से इस सीट के सभी पोलिंग बूथों पर 21 मई को फिर से मतदान कराने का ऐलान किया है और 24 मई को इस सीट पर वोटों की गिनती होगी. चुनाव आयोग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि 29 अप्रैल 2026 को फलता विधानसभा क्षेत्र, पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में पोलिंग स्टेशनों पर मतदान के दौरान गंभीर चुनावी अपराधों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में दखलंदाजी की घटना घटी थी। चुनाव आयोग की ओर से कहा गया है कि इसके मद्देनजर सहायक पोलिंग स्टेशनों सहित सभी 285 पोलिंग स्टेशनों पर नए सिरे से मतदान कराया जाएगा. सभी पोलिंग स्टेशनों पर 21 मई 2026 को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे के बीच नए सिरे से मतदान कराया जाएगा; और वोटों की गिनती 24 मई 2026 को होगी।

मतदान के दिन लगे थे गड़बड़ी के आरोप

बता दें कि पश्चिम बंगाल के 294 सीटों पर दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को मतदान हुए थे. 29 अप्रैल को मतदान के दौरान फलता सीट पर ईवीएम में छेड़छाड़ करने और टेप चिपकाने का मामला सामने आया था. इसे लेकर चुनाव आयोग ने जांच का आदेश दिया था. जांच की रिपोर्ट के बाद चुनाव आयोग ने फलता सीट पर मतदान स्थगित करने का फैसला किया है।

राज्य में 4 मई को मतों की गितनी होगी. चुनाव आयोग के इस फैसले से साफ है कि इस दिन फलता विधानसभा सीट पर हुए मतदान की वोटिंग की गिनती नहीं होगी, बल्कि चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद 21 मई को फिर से फलता सीट पर मतदान कराये जाएंगे. चार मई को राज्य की 293 सीटों पर ही वोटों की गिनती होगी। शुक्रवार को आयोग ने घोषणा की थी कि दक्षिण 24 परगना के दो विधानसभा क्षेत्रों, डायमंड हार्बर और मगराहाट पश्चिम में कुल 15 बूथों पर फिर से चुनाव होंगे. शनिवार को भी दोनों विधानसभा क्षेत्रों में इसी तरह से फिर से चुनाव थे, लेकिन फलता सीट को लेकर शाम तक अनिश्चितता बनी हुई थी. शाम को चुनाव आयोग ने फलता को लेकर बड़ा फैसला किया।

चुनाव के दौरान सुर्खियों में रहा है फलता केंद्र

दूसरे चरण के मतदान से पहले ही दक्षिण 24 परगना जिले लगातार चर्चा में रहा था. डायमंड हार्बर पुलिस जिले के पुलिस पर्यवेक्षक अजयपाल शर्मा और फलता के तृणमूल उम्मीदवार जहांगीर खान के बीच 'कोल्ड वॉर' शुरू हो गया था. मतदान के दिन फलता में श्वड्ढरूसे छेड़छाड़ के आरोप लगे. उसी समय, फिर से चुनाव के लिए आवेदन भी आयोग को सौंपे गए थे. किन बूथों पर फिर से चुनाव होगा, यह तय करने से पहले आयोग ने जांच की. दक्षिण 24 परगना जिले से और भी बूथों पर फिर से चुनाव के लिए आवेदन जमा किए गए थे.

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के निर्देश पर, कमीशन द्वारा नियुक्त स्पेशल ऑब्जर्वर सुब्रत गुप्ता, फलता, मगराहाट और डायमंड हार्बर समेत साउथ 24 परगना के अलग-अलग इलाकों में स्क्रूटनी प्रोसेस को देखने गए थे. उसके बाद उन्होंने चुनाव आयोग को रिपोर्ट दी थी. रिपोर्ट के आधार पर चुनाव आयोग ने यह फैसला किया।

फलता में धमकी और विरोध प्रदर्शन

चुनाव के बाद भी फलता में तनाव बरकरार रहा. इसकी शुरुआत शुक्रवार से हुई. फलता के हाशिमनगर में बीजेपी कार्यकर्ताओं की पिटाई के आरोपों के चलते माहौल गरमा गया. शनिवार को भी इसी इलाके में तनाव फैल गया. हाशिमनगर इलाके के लोगों के एक ग्रुप, जिसमें बीजेपी कार्यकर्ता भी शामिल हैं, ने आरोप लगाया कि उन्हें वोट नहीं डालने दिया गया. जब उन्होंने विरोध किया, तो तृणमूल पंचायत प्रधान के नेतृत्व में कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया. भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ मारपीट की गई।

शुक्रवार और शनिवार को प्रदर्शनकारियों ने दो दिनों तक नेशनल हाईवे जाम रखा. उन्होंने दोबारा चुनाव कराने की मांग की. साथ ही, तृणमूल उम्मीदवार जहांगीर खान और उनके कुछ 'करीबी' नेताओं की गिरफ्तारी की मांग की गई है. ऐसे में, आयोग ने जहांगीर के 'करीबी' लोगों के खिलाफ उन्हें धमकाने और डराने के आरोप में कार्रवाई का आदेश दिया है. उनके खिलाफ स्नढ्ढक्रदर्ज की गई है, जिसमें इसराफुल और जहांगीर के एक और करीबी सुजाद्दीन शेख का नाम है. आयोग के आदेश के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

जो खुद बच्ची..वो कैसे संभालेगी अपना बच्चा, अदालत तय करेगी दोनों का नसीब

- रेप का दंश झेल रही अलीगढ़ की किशोरी
- अलीगढ़ में एक 15 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता ने मेडिकल कॉलेज में एक बच्चे को जन्म दिया है, जिसके गर्भपात की याचिका समय सीमा निकलने के कारण खारिज हो गई थी।
- अब अदालत ही मां और नवजात के भविष्य का फैसला करेगी, जबकि पीड़िता और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

अलीगढ़। इंसानियत को शर्मसार करने वाली एक घटना ने एक मासूम किशोरी को उस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया, जहां बचपन और मातृत्व के बीच की लकीर धुंधली पड़ गई। दुष्कर्म की शिकार किशोरी ने हाल ही में एक बेटे को जन्म दिया।

एक ऐसा जीवन जिसे उसने कभी नहीं चाहा था। अदालत की दहलीज पर गर्भपात की गुहार लगाई गई थी, लेकिन समय निकलने के चलते ऐसा नहीं हो सका। चार महीने से मेडिकल कालेज में भर्ती किशोरी मां बन गई है। जो खुद बच्ची है, वो अपने बच्चे का कैसे ध्यान रख पाएगी।

हाई कोर्ट के अगले आदेश तक जच्चा-बच्चा को मेडिकल कॉलेज में ही रखा जाएगा। हाथरस के मुरसान क्षेत्र की इस किशोरी के पिता की पांच वर्ष पहले हादसे में मृत्यु हो गई थी। वह मजदूरी करते थे। इसी काम को उसकी मां ने अपनाया और परिवार का खर्चा चलाना शुरू कर दिया।

तीन बच्चों में सबसे बड़ी 15 वर्ष की बेटी पड़ोसी के यहां जाती थी। वहां उनके भांजे से परिचय हो गया था। युवक बुलंदशहर के सिकंदराबाद का है। पिछले वर्ष जुलाई माह में युवक ने दुष्कर्म कर दिया। किशोरी छिपाती रही। पेट में तेज दर्द होने के चलते डाक्टर पर ले जाया गया।

तब गर्भवती होने की जानकारी हुई। पूछताछ करने पर किशोरी ने घटना बताई। इसके बाद मां ने 23 जनवरी को कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत कराया। पुलिस ने आगरा से युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इधर, बेटी के भविष्य की चिंता जताते हुए मां ने गर्भपात के लिए प्रयास किए। इसके लिए उसने हाईकोर्ट में अपील की थी। साथ ही किशोरी की स्थिति देखते हुए जनवरी में इसे अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (AMU) के जेएन मेडिकल कालेज में भर्ती कराया दिया गया।

हाई कोर्ट ने फरवरी में सीएमओ हाथरस को मेडिकल बोर्ड गठित कर गर्भपात कराने के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट देने का निर्देश दिया था। समय पर जांच पड़ताल न होने के चलते गर्भपात का समय निकल गया। किशोरी पांच माह की गर्भवती हो चुकी थी।

इस पर हाईकोर्ट के निर्देश पर नाबालिग गर्भवती को जेएन मेडिकल कालेज में भर्ती रखा गया। 29 अप्रैल को उसने बेटे को जन्म दिया। प्रसव के बाद जच्चा-बच्चा पूरी तरह स्वस्थ हैं। मेडिकल कालेज में उसके स्वास्थ्य व सुरक्षा पर विशेष नजर रखी जा रही है। अनजान लोगों को मिलने नहीं दिया जा रहा है। जेएन मेडिकल कालेज की प्राचार्य अंजुम परवेज ने बताया कि किशोरी जनवरी से मेडिकल कालेज में भर्ती है। उसने बच्चे को जन्म दिया। दोनों ठीक हैं। हाई कोर्ट के अगले आदेश तक जच्चा-बच्चा को रखा जाएगा।

संक्षिप्त ख़बरें

कानपुर कचहरी में दो वकीलों के बीच नोंकझोंक, वीडियो वायरल

कानपुर। न्यायालय परिसर के अंदर दो वकीलों के बीच हुई तीखी नोंकझोंक का मामला सामने आया है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो दो दिन पुराना है। **क्लाइंट को लेकर बढ़ा विवाद** प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विवाद की वजह एक क्लाइंट को लेकर हुई। आरोप है कि एक वकील के क्लाइंट को दूसरे वकील ने अपने पक्ष में कर लिया, जिसके बाद दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई और मामला बढ़ गया। **झड़प का वीडियो चर्चा में** वायरल वीडियो में दोनों वकीलों के बीच तीखी बहस और झड़प जैसी स्थिति देखी जा रही है। एक वकील द्वारा शर्ट उतारने की घटना भी सामने आई है, जिससे माहौल और गरमा गया। **आधिकारिक पुष्टि का इंतजार** फिलहाल इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। हालांकि, न्यायालय परिसर में इस घटना को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है।

अमेरिका के हाई स्कूल में चाकूबाजी की घटना, छह लोग घायल

नई दिल्ली। अमेरिका में गुरुवार को एक हाई स्कूल में चाकूबाजी की घटना में छह लोग घायल हो गए। घायलों में सुरक्षा गार्ड और आरोपित छात्र भी शामिल है। यह घटना वॉशिंगटन के टैकोमा में हुई। पुलिस विभाग की प्रवक्ता शेल्बी बायड ने बताया कि संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। बायड ने कहा, 'स्कूल सुरक्षित है और हम फिलहाल मामले की जांच कर रहे हैं।' टाकोमा पब्लिक स्कूल्स ने एक ईमेल बयान में बताया कि सोमवार को स्कूल फिर से खुलेगा और छात्रों व कर्मचारियों की सहायता के लिए काउंसलर मौजूद रहेंगे। जिला प्रशासन ने कहा, 'हम अपने कर्मचारियों और आपातकालीन सेवाओं के त्वरित और शांत प्रयासों के लिए आभारी हैं।' टैकोमा अग्निशमन विभाग की प्रवक्ता चेल्सी शेफर्ड ने बताया कि दोपहर 1:38 बजे फास हाई स्कूल में चाकूबाजी की सूचना मिली थी। दमकल कर्मियों ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जिनमें से चार की हालत गंभीर थी। शेफर्ड ने चोटों के प्रकार की पुष्टि नहीं की।लंदन में दो यहूदी पुरुषों पर चाकू से हमला करने के आरोप में शुक्रवार को एक व्यक्ति पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया। एस्सा सुलेमान पर गोल्डर्स ग्रीन में हुए हमले से संबंधित दो आरोप हैं।

असम के तिनसुकिया में मिला दूसरे विश्व युद्ध के समय का बम

- » सेना की वजह से टला बड़ा हादसा
- » असम के तिनसुकिया जिले में द्वितीय विश्व युद्ध का एक बिना फटा बम रिहायशी इलाके से बरामद किया गया.
- » भारतीय सेना की विशेष बम निरोधक टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इलाके को सुरक्षित घेरा और निवासियों को हटाया. इसके बाद बम को सावधानीपूर्वक निष्क्रिय कर दिया गया.

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम के तिनसुकिया जिले के लेडो-लेखापानी क्षेत्र में एक बिना फटा बम मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया. खास बात ये है कि बरामद किया गया बम द्वितीय विश्व युद्ध के समय का है. यह जंग लगा बम एक रिहायशी इलाके में पाया गया, जिससे स्थानीय लोगों में डर और अफरा-तफरी का माहौल बन गया. सूचना मिलते ही भारतीय सेना ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक विशेष बम निरोधक टीम को मौके पर भेजा।

बम का आकार करीब 12 इंच लंबा और 6 इंच व्यास का बताया गया है. घटना की सूचना मिलते ही भारतीय सेना ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अपनी विशेष बम निरोधक टीम को मौके पर भेजा. रेड शील्ड सैपर्स की टीम ने पहुंचते ही पूरे इलाके को घेर लिया और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए. संभावित खतरे को देखते हुए आसपास के सभी निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया. ताकि विस्फोटक को बिना किसी नुकसान या चोट के सुरक्षित रूप से स्थानांतरित करके निष्क्रिय किया जा सके।

बम को किया गया निष्क्रिय

विशेषज्ञों ने बम का सावधानीपूर्वक निरीक्षण किया और उसे रिहायशी इलाके से दूर एक सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया. जहां नियंत्रित तरीके से ऑपरेशन चलाकर बम को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया गया. गनीमत ये रही कि इस दौरान किसी भी प्रकार का नुकसान या जनहानि नहीं हुई. अधिकारियों ने इस ऑपरेशन को बेहद समन्वित और पेशेवर तरीके से अंजाम दिया गया बताया. सेना की त्वरित प्रतिक्रिया और तकनीकी विशेषज्ञता की सराहना की गई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

शांति और सुरक्षा के लिए सेना प्रतिबद्ध

यह घटना पूर्वोत्तर भारत के उस ऐतिहासिक दौर की याद दिलाती है, जब यह क्षेत्र द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सैन्य गतिविधियों का अहम केंद्र था. ऐसे अवशेष आज भी समय-समय पर सामने आते रहते हैं. इस कार्रवाई के जरिए भारतीय सेना ने एक बार फिर समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई के माध्यम से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पूरे क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है।

पश्चिम बंगाल की दो विधानसभा सीटों के 15 बूथों पर कल री-पोलिंग, लगे थे गड़बड़ी के आरोप

» चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की दो विधानसभा सीटों के 15 बूथों पर री-पोलिंग का आदेश दिया है. मतदान में गड़बड़ी के आरोपों के बाद विशेष चुनाव पर्यवेक्षक की सिफारिश पर यह फैसला लिया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की दो विधानसभा सीटों के 15 बूथों पर री-पोलिंग का आदेश दिया है. यह री-पोलिंग शनिवार को सुबह 7 बजे से से होगी. इन बूथों पर मतदान में गड़बड़ी का आरोप लगे थे. विशेष चुनाव पर्यवेक्षक की सिफारिश के बाद चुनाव आयोग ने यह आदेश दिया है. हालांकि, कमीशन ने अभी तक फलता में ईवीएम में टेप चिपकाने के आरोप को लेकर कोई फैसला नहीं लिया है. चुनाव आयोग के अनुसार डायमंड हार्बर में 4 बूथ.. 117, 179, 194, 243 पर और मगराहाट वेस्ट में बूथ नंबर 46, 126, 127, 128, 142, 214, 215, 216, 230, 231 और 232 पर शनिवार को री-पोलिंग होगी। चुनाव आयोग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि चुनाव आयोग ने दक्षिण 24 परगना में मगराहाट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के 11 पोलिंग स्टेशनों और डायमंड हार्बर विधानसभा क्षेत्र के 4 पोलिंग स्टेशनों पर दोबारा वोटिंग का आदेश दिया है।

कल सुबह सात बजे से होगी री-पोलिंग

कमीशन के 1 मई 2026 के आदेश के अनुसार, दोबारा वोटिंग 2 मई 2026 को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगी. यह फैसला पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 29 अप्रैल 2026 को हुई वोटिंग के बारे में संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर और ऑब्जर्वर की रिपोर्ट के बाद लिया गया। कमीशन ने कहा कि पहचाने गए पोलिंग स्टेशनों पर वोटिंग को रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट, 1951 के सेक्शन 58(2) के तहत रद्द कर दिया गया है, और नए सिरे से वोटिंग का आदेश दिया गया है। प्रभावित पोलिंग स्टेशनों में मगराहाट पश्चिम और डायमंड हार्बर के कई बूथ शामिल हैं, और आयोग ने कहा है कि दोबारा वोटिंग उसके निर्देशों के अनुसार सख्ती से कराई जाए।

किश्तवाड़ में सेना ने ध्वस्त किया आतंकियों का ठिकाना, भारी मात्रा में हथियार बरामद

जम्मू-कश्मीर किश्तवाड़ में भारतीय सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है. सेना ने किश्तवाड़ के जंगल में आतंकवादियों का पुराना ठिकाना ध्वस्त कर दिया है. भारतीय सेना ने किश्तवाड़ के चतरू स्थित धरबी बाजमण्डू के जंगल में आतंकवादियों के एक हाईड-आउट को निशाना बनाया. इस ऑपरेशन को सेना (11RR) द्वारा चलाया गया था. इस दौरान एक कार्बाइन गन और मैगजीन के साथ एक पिस्तौल, 97 राउंड 9mm के जिंदा कारतूस और 18 राउंड 7.62mm के जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं. इसके अलावा सेना को 51mm का एक यूबीजी राउंड, 1 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री, चार डेटोनेटर, एक केनवुड रेडियो सेट और संचार के लिए इस्तेमाल होने वाले दो मोटोरोला रेडियो सेट भी बरामद किए गए हैं. सेना की इस कामयाबी को क्षेत्र की शांति के लिए बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि ऐसे ठिकाने भविष्य में घाटी में शांति भंग करने के लिए इस्तेमाल हो सकते थे इस साल जनवरी में सेना ने जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के एक जंगली इलाके में आतंकवादियों के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया था, जहां से एक एलपीजी सिलेंडर, एक गैस स्टोव, सूखे मेवे, सब्जियां, बासमती चावल, मैगी के पैकेट, देसी घी और खाने-पीने की दूसरी चीजें बरामद हुई थी

'बचाओ मुझे...', जबलपुर क्रूज हादसे में मौत से पहले दिल्ली की महिला की आखिरी कॉल

» हादसे में उजड़ गया परिवार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के जबलपुर में बरगी डैम में हुए दर्दनाक क्रूज हादसे ने दिल्ली के एक परिवार को तबाह कर दिया। घर के गृह प्रवेश समारोह में शामिल होने आए परिवार की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गई जब गुरुवार शाम पर्यटकों से भरी क्रूज बोट पलट गई। इस हादसे में दिल्ली की एक महिला, उनका चार साल का बेटा और उनकी मां की मौत हो गई, जबकि परिवार के तीन सदस्य किसी तरह बच निकले। यह हादसा उस समय हुआ जब करीब 40 पर्यटकों को लेकर एक क्रूज बोट नर्मदा नदी पर स्थित बरगी डैम में घूमने निकली थी। अचानक मौसम बिगड़ने, तेज हवाएं चलने और ऊंची लहरों के कारण नाव अनियंत्रित होकर पलट गई।

आखिरी वीडियो कॉल और 'बचाओ मुझे...' की चीख

परिजनों के अनुसार, दिल्ली कैंट इलाके के मसेह परिवार की सदस्य मरीना (39) उस समय अपने परिवार से वीडियो कॉल पर थीं, जब स्थिति अचानक बिगड़ गई। मरीना के भाई कुलदीप मोहन ने बताया, 'मेरी बहन वीडियो कॉल पर थी, वह हमें नज़ारा दिखा रही थी। तभी अचानक सब बदल गया। वह चीखते हुए बोल रही थी- 'बचाओ मुझे... बचाओ मुझे...' और फिर कॉल कट गई। '

तीन की मौत, तीन सदस्य सुरक्षित

इस हादसे में मरीना, उनका चार साल का बेटा तृषान उर्फ जहान और उनकी मां मधुर मसेह (62) की मौत हो गई। वहीं मरीना के पति प्रदीप, 14 साल की बेटी सिया और उनके पिता जूलियस मसेह किसी तरह सुरक्षित बच निकले। परिजनों ने बताया कि नाव के ऊपरी डेक पर बैठे लोग अचानक बिगड़े मौसम में नीचे की ओर भागे। नाव असंतुलित हो गई और पानी तेजी से अंदर भरने लगा।

जीवन रक्षक जैकेट बांटे, लेकिन मची अफरा-तफरी

परिवार के मुताबिक, प्रदीप ने स्थिति बिगड़ते ही लाइफ जैकेट निकालकर यात्रियों में बांटने शुरू किए। कुछ लोगों ने जैकेट पहन ली, जबकि कुछ डरकर पानी में कूद गए। स्थानीय ग्रामीणों ने रस्सियों और अन्य साधनों से कई लोगों को बचाया, जिनमें प्रदीप के पिता भी शामिल हैं।

मौसम चेतावनी के बावजूद संचालन

परिजनों और स्थानीय लोगों ने नाव संचालन में गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि उस समय यलो अलर्ट जारी था,

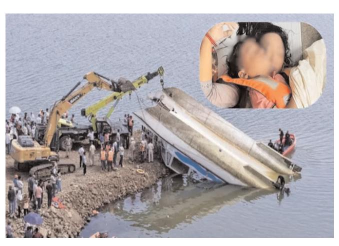

लेकिन यात्रियों को किसी तरह की चेतावनी नहीं दी गई। **परिजन कुलदीप मोहन ने कहा,** 'अगर मौसम की चेतावनी दी गई होती तो कोई भी नाव में नहीं बैठता। यह पूरी तरह लापरवाही है। '

9 शव बरामद, 6 लापता की तलाश जारी

अधिकारियों के अनुसार अब तक 9 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 6 लोग अभी भी लापता हैं। 28 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

जांच के आदेश, चालक दल पर कार्रवाई मध्य प्रदेश सरकार ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। साथ ही नाव के चालक दल के तीन सदस्यों को सेवा से हटा दिया गया है। इस दर्दनाक हादसे ने पर्यटन सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, खासकर ऐसे स्थलों पर जहां मौसम अचानक जानलेवा रूप ले सकता है।

अगई भगाड़ में आम के पेड़ों की अवैध कटान मामले में हल्का वन दरोगा ने की लीपापोती

- » हल्का वन दरोगा ने डीएफओ व रेंजर कप्तानगंज के आंखों में धूल झोंककर प्रेषित किया है गलत रिपोर्ट
- » एक दर्जन से अधिक आम के हरे पेड़ों की कटान होने के बाद भी जुर्माना मात्र 10 हजार रुपए
- » एक प्रतिबंधित पेड़ की कटान पर लगता है 10 हजार रुपए का जुर्माना- रेंजर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के बैंड रेंज कप्तानगंज के विकास खण्ड बहादुरपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत अगई भगाड़ में बिना परमिट के दर्जनों आम के पेड़ों की कटान मामले में वन विभाग ने सिर्फ खानापूर्ति की है अर्थात् जांच व कार्यवाही के नाम पर पूरी तरह लीपापोती की है। डीएफओ बस्ती डॉ शिरीन ने खबरों का संज्ञान लेकर कार्रवाई का आदेश दिया था। रेंजर कप्तानगंज राजू प्रसाद ने हल्का वन दरोगा को जांच करके प्रति कटे आम के पेड़ों के हिसाब से कार्रवाई का आदेश दिया था।

सूत्रों के अनुसार ग्राम पंचायत अगई भगाड़ में बिना परमिट के एक दर्जन से ज्यादा आम के पेड़ों की कटान हुई थी जिसका वीडिओ सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था लेकिन हल्का वन दरोगा ने तेज तर्रार डीएफओ डॉ शिरीन व वन क्षेत्राधिकारी कप्तानगंज राजू प्रसाद के आंख में धूल झोंककर गलत रिपोर्ट प्रेषित कर दिया है। एक दर्जन से अधिक आम पेड़ों की कटान होने पर सिर्फ 10 हजार का जुर्माना लगाना वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है।

शासनादेश के मुताबिक 01 प्रतिबंधित पेड़ की कटान पर 10 हजार जुर्माना लगता है। एक दर्जन पेड़ों पर जुर्माना 1.2 लाख से ज्यादा होना चाहिए था जबकि हल्का वन दरोगा ने जांच एवं कार्यवाही के नाम पर बड़ा खेल कर दिया है। बड़ा सवाल यह है कि एक दर्जन पेड़ कटने पर सिर्फ 10 हजार जुर्माना कैसे? क्या हल्का वन दरोगा और नगर पुलिस की मिलीभगत से मामले को दबाया गया? अगर जिम्मेदार अधिकारी दूसरी टीम से पुनः जांच कराएं तो हल्का वन दरोगा के भ्रष्टाचार की पोल खुल सकती है और गाज गिर सकती है। जांच एवं कार्रवाई के नाम पर हुई लीपापोती जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है। इस सम्बंध में डीएफओ ने कहा कि उक्त प्रकरण में मुकदमा दर्ज है जो केस संख्या-02/2006 है जिसमें जुर्माना की राशि 10000 हजार रुपए दर्शाया गया है। यदि हल्का वन दरोगा द्वारा गलत जांच किया गया है तो पुनः जांच कराकर विभागीय कार्यवाही की जायेगी।

जलवायु परिवर्तन का गहराता संकट

युद्ध, समुद्री तापमान और 'वेस्टर्न वेव्स' का भारत पर प्रभाव

लखनऊ। अप्रैल..., 2026 अप्रैल का महीना, जो कभी वसंत की सुखद अनुभूति का प्रतीक माना जाता था, आज 40-43एष्ट की झुलसा देने वाली गर्मी का संकेतक बन गया है। उत्तर भारत, विशेषकर लखनऊ, दिल्ली, राजस्थान और मध्य गंगा के मैदानों में यह तापमान अब असामान्य नहीं रहा, बल्कि एक नई सामान्य स्थिति (New Normal) के रूप में उभर रहा है। यह परिवर्तन केवल मौसमी नहीं है, बल्कि इसके पीछे वैश्विक स्तर पर चल रही जटिल प्रक्रियाएँ–जैसे जलवायु परिवर्तन, समुद्री तापमान में वृद्धि, और अंतरराष्ट्रीय युद्ध–मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय मौसम विभाग (IMD) के आंकड़ों के अनुसार पिछले एक दशक में अप्रैल माह के अधिकतम तापमान में स्पष्ट वृद्धि देखी गई है - यह आकड़ा वर्ष के सापेक्ष अधिकतम तापमान (°C) का 2015-40.7, 2016-43.1, 2017-41.8, 2018-40.7, 2019-44.6, 2020-38.8, 2021-41.9, 2022943.0, 2023-39.0, 2024-41.0, 2025-42.0, और 2026-43.0 से ऊपर (27 अप्रैल तक)।

[Chitra-Gragh] इन आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि तापमान में गिरावट केवल अस्थायी रही है (जैसे 2020 में), जबकि दीर्घकालिक प्रवृत्ति लगातार वृद्धि की [Chitra-Gragh] महामारी और तापमानः एक अस्थायी राहत 2020 में COVID-19 लॉकडाउन के दौरान तापमान 38.8°C तक गिर गया था। इसका मुख्य कारण था–वाहनों की आवाजाही में कमी, औद्योगिक गतिविधियों का ठहराव और वायु प्रदूषण में गिरावट हालाँकि, यह गिरावट स्थायी नहीं रही। जैसे ही गतिविधियाँ पुनः शुरू हुईं, तापमान फिर से तेजी से बढ़ने लगा। युद्ध और जलवायु परिवर्तन का संबंध वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन और युद्ध के बीच एक खतरनाक संबंध उभरकर सामने आया है, जिनका मुख्य प्रभावः सैन्य उपकरणों में भारी ईंधन खपत, बमबारी और आग से कार्बन उत्सर्जन और ऊर्जा बुनियादी ढांचे का विनाश ही कहा जा सकता है। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध और 2026 में मध्य-पूर्व के संघर्षों के दौरान तापमान का 43एष्ट के आसपास पहुँचना इस संबंध को मजबूत करता है। युद्ध केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि पृथ्वी के पर्यावरणीय संतुलन को भी गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। 'वेस्टर्न वेव्स' (पश्चिमी विक्षोभ) का बदलता स्वरूप भारत में आने वाले पश्चिमी विक्षोभ अब अनियमित और अधिक तीव्र होते जा रहे हैं। जिससे प्रमुख परिवर्तन जो महसूस किये गए, वह है -अचानक वर्षा और ओलावृष्टि, उसके तुरंत बाद भीषण हीटवेव और तापमान में तीव्र उतार-चढ़ाव (25°C से 43°C तक) होता रहा । इससे दुष्प्रभाव न ही रबी फसलों (विशेषकर गेहूं) पर संकट छाया बल्कि किसानों की आय पर असर हुआ और तरह-तरह की स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं में

अप्रत्यासित वृद्धि हुई। शहरी भारत और 'हीट आइलैंड' प्रभाव लखनऊ, दिल्ली और पटियाला जैसे शहरों में कंक्रीट संरचनाओं और हरियाली की कमी के कारण 'अर्बन हीट आइलैंड' प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। जिसके परिणाम स्वरुप शहरों में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक गर्म, रात का भी तापमान 30°C से ऊपर रहता है जिससे शरीर को भी आराम नहीं मिल पा रहा है और आम जनता बेहाल है।

भविष्य का संकट (2026-2030) यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रही, तो आने वाले वर्षों में भारत को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि पिछले 15 दिनों से अधिक लंबी हीटवेव, सभी शहरों/देहातों में भी भरी जल संकट और भूजल स्तर में गिरावट पायी जा रही है। इसके साथ ही ऊर्जा मांग में भी तीव्र वृद्धि हो रही है। उक्त कारणों से GDP में 4-6% तक संभावित कमी से भी नकारा नहीं जा सकता है। यह भी अनुमान लगाया जा सकता है कि 2030 के बाद स्थिति और गंभीर हो सकती है, जब तापमान 48-50°C तक पहुँचने की संभावना बनी हुई है। समाधानः क्या किया जा सकता है? इस संकट से निपटने के लिए बहुआयामी प्रयास आवश्यक हैं:

1. पर्यावरणीय उपाय-अब हमें वृक्षारोपण और वन संरक्षण में अभियान स्वरुप सरकार के साथ कन्धा से कंधा मिलाकर काम करना होगा तथा जैव विविधता का संरक्षण के लिए प्रभावी कार्य की आवश्यकता है।

2. ऊर्जा परिवर्तन- यद्यपि भारतवर्ष में वर्तमान सरकार ने आम जनता से लेकर व्यवसायिक संस्थाओं तक तेजी से सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा दिया जा रहा है , परन्तु इसे वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर भारत के साथ ही ऊर्जा हेतु आत्म निर्भर होना होगा। इसी के साथ - साथ जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना पड़ेगा।

3.जल प्रबंधन- अभी तक भारतवर्ष में सरकार प्रयासों के बावजूद भी आम जनता में वर्षा जल संचयन के बारें में नगण्य जानकारी हो पाई है और नहीं जल संरक्षण तकनीकों का उपयोग का उपयोग किया जा रहा है, केवल कागजी कार्यवाही तक सीमित रह गया है। इस क्षेत्र में अभियान चलाकार जागरूक करने और प्रभावी कार्य करने की आवश्यकता है।

4. शहरी योजना- भारत सरकार ने स्मार्टसिटी व ग्रीन सिटी मॉडल की योजनायें चलाई, इसका कोई प्रभावी असर अभी तक दिखाई न पड़ रहा है और नहीं कम कंक्रीट और अधिक हरियाली ही किसी शहरी अथवा कस्बो पर्याप्त असर छोड़ रहा है। इस पर अधिक प्रभावी कार्य करने की आवश्यकता है।

5. सामाजिक भागीदारी- उपरोक्त से स्पष्ट है कि जो योजनाये प्रभावीरूप से संचालित नहीं हो पा रही हैं, उनमें जन-जागरूकता अभियान चलाना तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए जन आंदोलन चलाना अत्यंत आवश्यक है।

जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की समस्या नहीं, बल्कि वर्तमान का संकट बन चुका है। यदि युद्ध, प्रदूषण और अनियंत्रित विकास की प्रवृत्ति जारी रही, तो आने वाले 7-10 वर्षों में गर्मी मानव जीवन के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। यह समय केवल चर्चा का नहीं, बल्कि निर्णायक कार्यवाही का है अन्यथा, वह दिन दूर नहीं जब बढ़ता तापमान मानव अस्तित्व को चुनौती देगा।

प्रो. (डॉ.) भरत राज सिंह

बढ़ती महंगाई, बढ़ते खर्चे कर रहे आम आदमी की जेब ढीली

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

मजदूर दिवस के मौके पर देश के करोड़ों आम नागरिकों को महंगाई का नया झटका लगा है। आज से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में औसतन 993 की भारी बढ़ोतरी कर दी गई है। दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत अब 3,071.50 हो गई है। हालांकि घरेलू 14.2 किलो सिलेंडर की कीमत में फिलहाल कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन अप्रत्यक्ष प्रभाव से रसोई का खर्चा और दैनिक जरूरतों का बोझ बढ़ना तय है।

यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव, स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में संकट और ईरान-अमेरिका-इजराइल संघर्ष के कारण आई है। भारत अपना बड़ा हिस्सा कच्चा तेल और एलपीजी इसी क्षेत्र से आयात करता है। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में उछाल आने से घरेलू बाजार पर दबाव बढ़ गया है। मार्च 2026 में खुदरा महंगाई दर (CPI) बढ़कर 3.40 प्रतिशत हो गई, जो पिछले एक साल में सबसे ऊंचा स्तर है। खाद्य महंगाई भी 3.87 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

आम आदमी की जेब पर क्या असर?

छोटे होटल, ढाबे और रेस्टोरेंटः चाय, नाश्ता, खाना बनाने में इस्तेमाल होने वाले कमर्शियल सिलेंडर महंगे होने से खाने-पीने की चीजों की कीमतें बढ़ सकती हैं। कई छोटे व्यापारी पहले से ही लागत बढ़ने से जूझ रहे थे।

परिवहन और माल ढुलाईः ईंधन की महंगाई से ट्रक, बस और ऑटो का खर्च बढ़ेगा, जिसका सीधा असर किराने की चीजों, सब्जी-फल और दूध पर पड़ेगा।

मध्यम वर्गीय परिवारः घरेलू सिलेंडर पर सब्सिडी बनी हुई है, लेकिन रेस्तरां, बाहर का खाना और अप्रत्यक्ष महंगाई से मासिक बजट बिगड़ रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन के खर्चे पहले ही बढ़े हुए हैं।

मजदूर वर्गः दिहाड़ी और सैलरी वाले लोगों के लिए खाने-पीने का खर्चा बढ़ना सबसे बड़ा बोझ है।

सरकार का पक्ष है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार की मजबूरी है और रूस से सस्ता तेल खरीदने तथा रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व से कुछ राहत दी जा रही है। विपक्ष इसे 'जनविरोधी' बता रहा है और कह रहा है कि महंगाई पर काबू नहीं पा रही सरकार।

व्यापक चुनौती

बढ़ती महंगाई केवल एलपीजी तक सीमित नहीं है। गर्मी की लहर, अनियमित मानसून की आशंका और वैश्विक ऊर्जा संकट ने मिलकर आम आदमी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पिछले कुछ महीनों में कमर्शियल सिलेंडर पर कई बार बढ़ोतरी हो चुकी है – मार्च और अप्रैल में भी सैकड़ों रुपये का इजाफा देखा गया।

बढ़ती महंगाई और बढ़ते खर्चे सचमुच आम आदमी की जेब ढीली कर रहे हैं। जब एक मजदूर या छोटा दुकानदार अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा बस खाने-पीने और ईंधन पर खर्च कर रहा हो, तब विकास और प्रगति के दावे कितने खोखले लगते हैं। महंगाई कोई प्राकृतिक आपदा नहीं है – यह नीतिगत फैसलों, आयात निर्भरता और वैश्विक भू-राजनीति का नतीजा है।

सरकार को अब ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को असली प्राथमिकता देनी चाहिए। नवीकरणीय ऊर्जा (सौर और पवन) को तेज गति से बढ़ावा, घरेलू तेल-गैस अन्वेषण, हाइड्रोजन मिशन और पाइप्ड नैचुरल गैस का विस्तार – ये कदम जरूरी हैं। सब्सिडी का स्मार्ट और टारगेटेड उपयोग भी आम आदमी को राहत दे सकता है।

मजदूर दिवस पर हम श्रम की गरिमा की बात करते हैं, लेकिन जब श्रमिक की कमाई महंगाई की आग में जल रही हो तो यह सम्मान खोखला हो जाता है। समय आ गया है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस रणनीति बनाएं। केवल अंतरराष्ट्रीय कारणों को दोष देने से काम नहीं चलेगा।

आम आदमी की जेब को मजबूत बनाने के लिए नीतिगत स्थिरता, ऊर्जा विविधीकरण और उत्पादन बढ़ाने पर जोर देना होगा। तभी 'सबका साथ, सबका विकास' का मंत्र सार्थक होगा। अन्यथा बढ़ते खर्चे न केवल जेब ढीली करेंगे, बल्कि सपनों को भी कुचलते जाएंगे।

यथार्थ और मानवीयता के फिल्मकार सत्यजीत राय

सत्यजीत राय भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक ऐसे नाम हैं जिन्होंने फिल्मों को केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहने दिया, बल्कि उसे जीवन की गहरी सच्चाइयों को व्यक्त करने का सशक्त साधन बना दिया। उनका जन्म 2 मई 1921 को कोलकाता में एक प्रतिष्ठित और साहित्यिक परिवार में हुआ था। उनके पिता सुकुमार राय प्रसिद्ध लेखक और चित्रकार थे तथा दादा उपेंद्रकिशोर राय भी साहित्य और प्रकाशन के क्षेत्र में अग्रणी थे। इस प्रकार बचपन से ही सत्यजीत राय को साहित्य, कला और रचनात्मकता का वातावरण मिला, जिसने उनके व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा कोलकाता में प्राप्त की और बाद में शांतिनिकेतन में अध्ययन किया, जहाँ उन्हें रवीन्द्रनाथ ठाकुर के विचारों और भारतीय कला परंपराओं से परिचित होने का अवसर मिला। यही वह समय था जब उनके भीतर कला के प्रति गहरी समझ विकसित हुई। हालांकि उन्होंने औपचारिक रूप से फिल्म निर्माण की शिक्षा नहीं ली, लेकिन उनकी जिज्ञासा और सीखने की क्षमता ने उन्हें एक महान फिल्मकार बना दिया।

सत्यजीत राय ने अपने करियर की शुरुआत एक विज्ञापन एजेंसी में कार्य करके की। इस दौरान उन्होंने चित्रण और दृश्य संरचना की बारीकियों को समझा। इसी समय उन्हें विश्व सिनेमा के महान निर्देशकों की फिल्मों को देखने का अवसर मिला, जिससे उनके दृष्टिकोण का विस्तार हुआ। विशेष रूप से इतालवी नवयथार्थवादी फिल्मों का उन पर गहरा प्रभाव पड़ा, जिसने उन्हें आम लोगों के जीवन को यथार्थ रूप में प्रस्तुत करने की प्रेरणा दी। उनकी पहली फिल्म पथेर पांचाली 1955 में प्रदर्शित हुई। यह फिल्म बिभूतिभूषण बंद्योपाध्याय के उपन्यास पर आधारित थी और एक गरीब ग्रामीण परिवार की कहानी को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करती है। इस फिल्म का निर्माण अत्यंत कठिन परिस्थितियों में हुआ, क्योंकि प्रारंभ में उन्हें आर्थिक सहयोग नहीं मिला। कई बार शूटिंग रुक गई, लेकिन उनकी दृढ़ता ने अंततः इस फिल्म को पूरा किया। जब यह फिल्म प्रदर्शित हुई, तो इसे देश और विदेश में अपार सराहना मिली। इसे अनेक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए और भारतीय सिनेमा को विश्व मंच पर पहचान दिलाई।

पथेर पांचाली के बाद उन्होंने अपराजितो और अपूर संसार का निर्माण किया, जो मिलकर अपू त्रयी के रूप में प्रसिद्ध हुई। इन फिल्मों में एक व्यक्ति के बचपन से युवावस्था तक के जीवन को अत्यंत गहराई से चित्रित किया गया है। इन फिल्मों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें जीवन के छोटे छोटे क्षणों को भी बड़े प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

सत्यजीत राय की फिल्मों में समाज का यथार्थ चित्रण देखने को मिलता है। उन्होंने कभी भी कृत्रिमता या अतिनाटकीयता का सहारा नहीं लिया। उनकी फिल्मों में पात्र सामान्य लोग होते हैं, जिनकी समस्याएँ भी वास्तविक होती हैं। चाहे वह ग्रामीण जीवन हो या शहरी जीवन, उन्होंने हर परिस्थिति को ईमानदारी से प्रस्तुत किया। उनकी फिल्म महानगर में एक कामकाजी महिला के संघर्ष को दिखाया गया है, जबकि चारुलता में एक महिला के आंतरिक अकेलेपन और भावनात्मक द्वंद्व को अत्यंत सुंदर ढंग से चित्रित किया गया है। उनकी फिल्म जलसाघर में एक जमींदार के पतन को दिखाया गया है, जो समय के साथ बदलते समाज को स्वीकार नहीं कर पाता। इसी प्रकार नायक फिल्म में एक प्रसिद्ध अभिनेता के जीवन के भीतर की उलझनों और असुरक्षाओं को उजागर किया गया है। इन सभी फिल्मों में मानवीय भावनाओं की गहराई और सामाजिक परिवर्तनों की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

सत्यजीत राय केवल एक निर्देशक ही नहीं थे, बल्कि वे एक बहुआयामी कलाकार थे। उन्होंने अपनी फिल्मों के लिए स्वयं संगीत भी तैयार किया। उनके संगीत में भारतीय शास्त्रीय और लोक तत्वों का सुंदर मिश्रण होता था। इसके अतिरिक्त उन्होंने पटकथा लेखन, संवाद लेखन और कला निर्देशन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी फिल्मों का हर पहलू उनकी दृष्टि और संवेदनशीलता को दर्शाता है।

फिल्मों के अलावा उन्होंने साहित्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने फेलूदा नामक जासूसी चरित्र की रचना की, जो आज भी पाठकों के बीच अत्यंत लोकप्रिय है। इसके अलावा प्रोफेसर शोंकू नामक वैज्ञानिक चरित्र भी उनकी कल्पना का ही परिणाम है। उनकी कहानियाँ रोचक होने के साथ साथ ज्ञानवर्धक भी होती हैं।

सत्यजीत राय को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। उन्हें 1992 में मानद ऑस्कर पुरस्कार प्रदान किया गया, जो उनके जीवन भर के योगदान की अंतरराष्ट्रीय मान्यता थी। उसी वर्ष उन्हें भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न भी मिला। इसके अतिरिक्त उन्हें अनेक राष्ट्रीय पुरस्कार और अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में सम्मान प्राप्त हुए। उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समय के साथ पुरानी नहीं होतीं। आज भी जब उनकी फिल्मों को देखा जाता है, तो वे उतनी ही प्रासंगिक लगती हैं जितनी अपने समय में थीं। इसका कारण यह है कि उन्होंने मानवीय भावनाओं और सामाजिक सच्चाइयों को इतनी ईमानदारी से प्रस्तुत किया कि वे हर युग में लोगों को प्रभावित करती हैं।

सत्यजीत राय का निधन 23 अप्रैल 1992

को हुआ, लेकिन उनकी रचनात्मक विरासत आज भी जीवित है। उन्होंने भारतीय सिनेमा को एक नई दिशा दी और यह सिद्ध किया कि सिनेमा केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि समाज का दर्पण भी हो सकता है। उनके कार्यों ने आने वाली पीढ़ियों के फिल्मकारों को प्रेरित किया और उन्हें यह सिखाया कि सच्ची कला वही है जो जीवन की वास्तविकताओं को सरलता और संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करे।

आज जब हम सिनेमा के बदलते स्वरूप को देखते हैं, तो सत्यजीत राय का योगदान और भी महत्वपूर्ण प्रतीत होता है। उन्होंने दिखाया कि सीमित संसाधनों के बावजूद भी उत्कृष्ट कला का निर्माण किया जा सकता है, यदि उसमें ईमानदारी और समर्पण हो। उनके जीवन और कार्य हमें यह सिखाते हैं कि किसी भी क्षेत्र में महानता प्राप्त करने के लिए गहरी समझ, निरंतर प्रयास और सच्ची संवेदनशीलता आवश्यक है।

इस प्रकार सत्यजीत राय केवल एक फिल्म निर्देशक नहीं, बल्कि एक विचारक, कलाकार और समाज के गहरे निरीक्षक थे। उनका जीवन और उनकी रचनाएँ हमें यह प्रेरणा देती हैं कि हम अपने आसपास की दुनिया को समझें और उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। उनकी फिल्मों में निहित मानवीयता और सच्चाई आज भी हमें सोचने पर मजबूर करती है और यही उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

महेन्द्र तिवारी

युद्ध का वास्तविक चेहरा मानवता पर भीषण प्रहार

वैश्विक हिंसा सदी की बड़ी त्रासदी।

युद्ध का उन्माद मानव सभ्यता के इतिहास का सबसे त्रासद अध्याय रहा है, जहाँ शक्ति, प्रभुत्व और स्वार्थ की अंधी दौड़ में मनुष्य अपने ही अस्तित्व को दांव पर लगा देता है। जब राष्ट्रवाद की आग विवेक पर भारी पड़ती है, तब युद्ध केवल सीमाओं का संघर्ष नहीं रह जाता, वह मनुष्यता के मूल्यों का भी विध्वंस बन जाता है। युद्ध चाहे किसी भी काल में हुआ हो, उसका परिणाम सदैव एक-सा ही रहा है विनाश, पीड़ा और पश्चाताप। दो विश्व युद्धों की विभीषिका ने यह स्पष्ट कर दिया कि हिंसा से किसी भी समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है, बल्कि यह नई समस्याओं और घावों को जन्म देती है।

युद्ध के मैदान में केवल सैनिक ही नहीं मरते, बल्कि उनके साथ असंख्य निर्दोष नागरिक भी अपनी जान गंवाते हैं, जिनका उस संघर्ष से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता। उनके सपने, उनकी आशाएँ और उनका भविष्य सब कुछ एक पल में राख हो जाता है। जब कोई माँ अपने बेटे को खोती है, जब कोई बच्चा अपने पिता की लाश देखता है, तब राष्ट्र की जीत का कोई अर्थ नहीं रह जाता, केवल एक गहरी शून्यता और असहनीय पीड़ा शेष रह जाती है। यही वह क्षण होता है जब मनुष्य को आत्मज्ञान का बोध होता है कि उसने क्या खो दिया और किस कीमत पर। युद्ध का वास्तविक चेहरा तब सामने आता है जब शहरों के खंडहर, जली हुई फसलें, उजड़े हुए घर और रोते हुए लोग उसकी गवाही देते हैं। आधुनिक समय में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है, चाहे वह रूस-यूक्रेन का संघर्ष हो, इजरायल-फिलिस्तीन का विवाद हो या अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव हर जगह एक समान पीड़ा और विनाश का दृश्य देखने को मिलता है।

इन संघर्षों में सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों के निर्णयों का भार आम नागरिकों को उठाना पड़ता है, जो अपनी जान देकर उन महत्वाकांक्षाओं को पूरा करते हैं जिनसे उनका कोई लेना-देना नहीं होता। युद्ध केवल मानव जीवन को ही नहीं, बल्कि आर्थिक व्यवस्था को भी गहरे संकट में डाल देता है। उद्योग धंधे ठप हो जाते हैं, महंगाई आसमान छूने लगती है, बेरोजगारी बढ़ती है और विकास की गति रुक जाती है।

एक देश को वर्षों पीछे धकेल देने वाला यह विनाश केवल भौतिक नहीं होता, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी गहरा असर छोड़ता है। युद्ध के बाद बचता है तो केवल एक टूटा हुआ समाज, जिसमें अविश्वास, भय और असुरक्षा की भावना घर कर जाती है। यही कारण है कि इतिहास हमें बार-बार यह सिखाने का प्रयास करता है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि यह समस्याओं को और जटिल बना देता है। आत्मज्ञानी व्यक्ति और संवेदनशील समाज इस सत्य को समझते हैं कि शांति ही वह मार्ग है जो मानवता को आगे बढ़ा सकता है।

युद्ध के बाद जब धूल बैठती है और लोग अपने खोए हुए प्रियजनों की याद में रोते हैं, तब उन्हें यह अहसास होता है कि उन्होंने क्या खोया है और क्या पाया है। उस समय कोई भी जीत सार्थक नहीं लगती, क्योंकि जीत की कीमत बहुत अधिक होती है। युद्ध की राख से उठने वाली यह चेतना ही आत्मज्ञान का वास्तविक रूप है, जो हमें यह समझाती है कि हिंसा और घृणा के मार्ग पर चलकर हम केवल विनाश ही प्राप्त कर सकते हैं। यदि मानवता को बचाना है, तो हमें संवाद, सहिष्णुता और प्रेम का मार्ग अपनाना होगा। युद्ध का उन्माद क्षणिक हो सकता है, लेकिन उसके परिणाम पीढ़ियों तक महसूस किए जाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि हम इतिहास से सीख लें और भविष्य को बेहतर बनाने के लिए शांति का मार्ग चुनें, क्योंकि अंततः वही मार्ग हमें सच्चे अर्थों में मानव बनाता है।

संजीव ठाकुर

कविता

संजीव-नी

युद्ध का पश्चाताप।

बारूद की गंध में
किसका सपना जलता ,
किसकी आँखों का उजाला
धुएँ में ढलता।

सीमाएँ खिंचती रहती नक्शों पर,
पर दिलों की दूरी कौन मापता
जो घर कभी हँसी से भरते,
वहीं अब सन्नाटा रोता ।

किसी माँ की गोद सूनी,
किसी बच्चे की नींद उजड़ी,
विजय के नारों के पीछे
कितनी करुण पुकारें जुड़ी।

क्या युद्ध आवश्यक था,
पर किसके लिए, क्यों
जो लौटकर न आए घर,
उनसे कोई पूछे या यह न्याय ?

विश्व युद्धों की राख अब भी
हवा में प्रश्न बनकर उड़ती ,
हर नया संघर्ष उसी पीड़ा को
फिर से जीवित कर देता ।

न कोई सच में जीतता ,
न कोई सच में हारता ,
बस इंसान अपने ही हाथों
अपना संसार उजाड़ता ।

रूस की ठंडी हवाओं में,
यूक्रेन की टूटी दीवारों में,
गाज़ा की रोती गलियों में,
हर जगह एक ही पुकार है
अब और नही
सत्ता के ऊँचे दरबारों में
यह आवाज़ अक्सर खो जाती।

और निर्दोषों की साँसें
आँकड़ों में बदल जाती
जब सब कुछ राख हो जाता।

आओ, बारूद की जगह
कुछ सपनों को बोया जाए,
नन्हे हाथों में हथियार नहीं,
उजला कल संजोया जाए।

क्योंकि अंत में बचता है
न कोई ताज, न सिंहासन,
बस यादें, आँसू और
एक सवाल
क्या यही है
हमारा मानव होना?

संजीव ठाकुर

एग्जिट पोल की सच्चाई- लोकतंत्र का आईना या मीडिया का मुखौटा?

जब आंकड़ों की चकाचौंध सच का मुखौटा पहनने लगे, तभी सवाल उठाना जरूरी हो जाता है–29 अप्रैल 2026 की वह शाम ठीक ऐसी ही थी। मतदान खत्म होते ही टीवी स्क्रीन पर एग्जिट पोल का सैलाब उमड़ पड़ा, मानो जनादेश पहले ही लिख दिया गया हो। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के दावे, असम में प्रचंड बहुमत की भविष्यवाणी, दक्षिण भारत में कड़े मुकाबले के संकेत–हर चैनल अपनी कहानी गढ़ रहा था। इन आंकड़ों की चमक ने माहौल को रोमांचक जरूर बनाया, लेकिन भीतर ही भीतर एक संशय भी जन्म लेने लगा। क्या ये अनुमान सचमुच जनता के मन की गहराइयों को छू रहे हैं, या फिर यह केवल एक ऐसा परदा है जो सच्चाई को ढककर भ्रम का नया संसार रच रहा है?

जब पूर्वानुमान ही परिणाम बनने लगें, तब लोकतंत्र की दिशा पर सवाल उठना स्वाभाविक है–एग्जिट पोल अब केवल प्रक्रिया नहीं, बल्कि प्रभावशाली शक्ति हैं। ये आंकड़े दलों के आत्मविश्वास को बढ़ा-घटा सकते हैं, बाजार की दिशा तय कर सकते हैं और मतदाता की सोच प्रभावित कर सकते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में बड़े अनुमान वास्तविक नतीजों से अलग रहे, जिससे केवल समीकरण ही नहीं, जनता का भरोसा भी डगमगाया। 2026 में भी वही तस्वीर है, जहां हर चैनल अपनी गणना से विजेता तय कर रहा है। ऐसे में चिंता बढ़ती है कि क्या हम इन अनुमानों से लोकतंत्र की सच्चाई समझ रहे हैं, या अनजाने में उसके मूल स्वरूप को कमजोर कर रहे हैं।

जब मतदाता का मन ही रहस्य बन जाए, तब उसे आंकड़ों में बांधना कठिन हो जाता है–भारत जैसे विविध देश में यह पहेली और गहरी है। यहां निर्णय केवल विचारधारा पर नहीं, बल्कि जाति, क्षेत्र, स्थानीय मुद्दों, व्यक्तिगत अनुभवों और भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के मिश्रण पर आधारित होता है। कई बार मतदाता अपनी वास्तविक राय छिपा लेते हैं, जिससे एग्जिट पोल की सटीकता पर सवाल उठते हैं। 2021 और 2024 के चुनावों में 'साइलेंट वोटर' ने सभी अनुमानों को ध्वस्त कर दिया। 2026 में भी यह अनदेखी ताकत सक्रिय हो सकती है, जो किसी भी सर्वेक्षण को चुनौती दे सकती है। यही वह बिंदु है जहां एग्जिट पोल की सीमाएं स्पष्ट होती हैं–वे आंकड़े दिखाते हैं, मन की गहराइयों को नहीं पढ़ पाते।

हर शोर में भ्रम नहीं होता—कुछ आवाजें सच भी कहती हैं, और एग्जिट पोल उसी सच की झलक बन सकते हैं। फिर भी यह कहना गलत होगा कि इनका कोई महत्व नहीं है। जब ये ईमानदारी और वैज्ञानिक पद्धति से किए जाते हैं, तो ये समाज के उन वर्गों की आवाज बनते हैं जो अक्सर मुख्यधारा से दूर रहते हैं। गांवों, कस्बों और हाशिए के समुदायों

की राय सामने लाते हैं। यह लोकतंत्र की सकारात्मक झलक भी देते हैं, जहां हर आवाज मायने रखती है। चुनाव आयोग के नियम (सेक्शन 126) इनके दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करते हैं। लेकिन टीआरपी की दौड़, राजनीतिक दबाव और व्यावसायिक हित अक्सर इन आदर्शों को कमजोर कर देते हैं, जिससे निष्पक्षता पर सवाल उठने लगते हैं।

जब सच का आईना टेढ़ा दिखने लगे, तब खतरा गहराना तय है–एग्जिट पोल यदि वास्तविकता नहीं, उसका विकृत प्रतिबिंब बन जाएं तो असर दूर तक जाता है। जब ये अनुमान गलत साबित होते हैं, तो प्रभाव केवल राजनीतिक दलों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि जनता के विश्वास पर भी पड़ता है। 2024 में दिखी आर्थिक और मानसिक अस्थिरता इस बात का प्रमाण है कि गलत अनुमान बड़ी कीमत वसूलते हैं। यदि 2026 के परिणाम भी इन पूर्वानुमानों से अलग निकलते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर सवाल होगा। तब यह पूछना लाजमी होगा कि क्या हम डेटा के नाम पर भ्रम को बढ़ावा दे रहे हैं?

जब अनुमान की सीमाएं खुद स्वीकार हों, तब सटीकता पर सवाल स्वाभाविक है–भारत जैसे विशाल देश में भविष्यवाणी करना बेहद कठिन है। सैंपलिंग की सीमाएं, जमीनी डेटा जुटाने की चुनौतियां और अंतिम क्षणों में मतदाता के मन में बदलाव–ये सभी एग्जिट पोल की विश्वसनीयता को प्रभावित करते हैं। फिर भी ये पूरी तरह निरर्थक नहीं हैं। ये रुझान समझने का माध्यम देते हैं, दलों को रणनीति पर पुनर्विचार के लिए प्रेरित करते हैं और जनता को चर्चा का आधार देते हैं। लेकिन समस्या तब होती है जब इन्हें अंतिम सत्य मान लिया जाता है, जिससे भ्रम और अपेक्षाओं का टकराव पैदा होता है।

जब मतदाता का फैसला हर बार अनुमान को चौंका दे, तब उसकी अप्रत्याशितता ही उसकी असली पहचान बन जाती है–भारतीय मतदाता यही साबित करता आया है। इतिहास गवाह है कि यहां अंतिम क्षण का निर्णय कई बार सभी अनुमानों को धता बता देता है। 2004 और 2024 के चुनाव इसके स्पष्ट उदाहरण हैं। यह दिखाता है कि लोकतंत्र की असली ताकत किसी सर्वेक्षण में नहीं, बल्कि जनता की स्वतंत्र सोच और निर्णय क्षमता में है। एग्जिट पोल इस जटिलता को पूरी तरह नहीं समझ पाते, क्योंकि वे केवल सतह को छूते हैं, गहराई को नहीं।

जब नजर संतुलित हो, तभी सच साफ दिखता है–एग्जिट पोल को लेकर यही सबसे बड़ा समाधान है। ये न पूरी तरह गलत हैं, न पूरी तरह सही–इनका मूल्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम इन्हें कैसे देखते हैं। यदि इन्हें संकेतक माना जाए, तो ये उपयोगी हैं; लेकिन यदि अंतिम निर्णय मान लिया जाए, तो भ्रम पैदा करते हैं। 2026 के इन महत्वपूर्ण चुनावों में जरूरी है कि हम आंकड़ों की चमक से प्रभावित होने के बजाय वास्तविकता की प्रतीक्षा करें। क्योंकि लोकतंत्र की सच्ची तस्वीर वही होती है जो मतपेटियों से निकलती है, न कि वह जो स्क्रीन पर दिखाई जाती है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

स्वामी– स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई बुद्ध पूर्णिमा

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के नई बाजार मोहल्ला में शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर लोगों ने भगवान बुद्ध के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. एसके निगम ने कहा कि भगवान बुद्ध का जीवन दर्शन आज भी मानवता को सही दिशा देने का कार्य करता है। वहीं तहसील कार्यालय के निकट नर्सरी के सामने रामसूरज कुशवाहा के नेतृत्व में बुद्ध पूर्णिमा का भव्य आयोजन हुआ। इसमें विचार गोष्ठी और शर्बत वितरण भी किया गया। गोष्ठी में कांग्रेस के जिला सचिव प्रभारी कामता प्रसाद गौड़ ने कहा कि इतिहास में अनेक महापुरुष हुए, लेकिन बुद्ध ऐसे व्यक्तित्व हैं जिनके नाम के साथ जयंती शब्द छोटा पड़ जाता है और वह तिथि पूर्णिमा के रूप में जानी जाती है। पूर्णिमा पूर्णता का प्रतीक है। आलमपुर के पूर्व प्रधान लालजी यादव ने कहा कि यह केवल पंचांग की गणना नहीं बल्कि मानव अस्तित्व से जुड़ा गहरा संदेश है। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष रामसूरज कुशवाहा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान अंशू यादव, राजबहादुर मौर्य, राज नारायण यादव, ऋतिक कुशवाहा, दिलीप कुशवाहा, राजकुमार गौतम, ओम प्रकाश, रमेश कुशवाहा, रजनीश कुशवाहा, आलोक गौतम, गोविंद गौतम सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

महराजगंज कोतवाली में उत्कृष्ट कार्य के लिए होमगार्ड धर्मदास को किया गया सम्मानित

महराजगंज/रायबरेली। प्रति माह की भांति इस बार भी 1 मई 2026 को होमगार्ड विभाग द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले जवानों को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में होमगार्ड धर्मदास को उनकी उत्कृष्ट ड्यूटी, सराहनीय व्यवहार एवं बेहतरीन टर्नआउट के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह एसएसआई देवेंद्र सिंह भदौरिया के नेतृत्व में आयोजित किया गया। उन्होंने धर्मदास को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने धर्मदास के कार्यों की सराहना करते हुए अन्य कर्मचारियों को भी उनसे प्रेरणा लेने की बात कही। कार्यक्रम में पुलिस एवं होमगार्ड विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से बी.ओ. राजेश राय, बुद्धसेन शर्मा, पीसी इंद्रमणि सिंह द्य, रामकुमार सिंह, अनुज सिंह, राम प्रताप यादव, रामदास यादव, लाल मोहम्मद,शिव शंकर मिश्रा, सतीश प्रताप सिंह, तेज कुमार सहित अन्य होमगार्ड कर्मी मौजूद रहे। कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण रहा और सभी ने सम्मानित कर्मी को बधाई दी।

यूपी में गेहूं खरीद की 'सुपरफास्ट' रफ्तार, 6.10 लाख मीट्रिक टन की खरीद; किसानों के खातों में पहुंचे 1318 करोड़ रुपए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रबी विपणन सत्र के दौरान गेहूं खरीद अभियान ने तेज रफ्तार पकड़ ली है। योगी सरकार की सक्रिय रणनीति और जमीनी स्तर पर मजबूत व्यवस्थाओं के चलते 28 अप्रैल तक 6.10 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद दर्ज की जा चुकी है, जो अभियान की प्रभावशीलता को दर्शाती है। सरकार ने इस अभियान में पारदर्शिता और किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। अब तक 1,15,854 किसानों को 1318 करोड़ रुपये का भुगतान डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए सीधे उनके बैंक खातों में भेजा जा चुका है। इससे किसानों को समय पर पैसा मिल रहा है। प्रदेश भर के खरीद केंद्रों पर व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया गया है। तौल, भंडारण और भुगतान की प्रक्रिया को सरल व पारदर्शी बनाया गया है, ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश हैं कि हर केंद्र पर पर्याप्त संसाधन उपलब्ध रहें और किसी भी किसान को लौटना न पड़े।

पूर्वांचल बना खरीद अभियान का इंजन- गेहूं खरीद में पूर्वांचल के जिलों ने शानदार प्रदर्शन किया है। देवरिया ने 55.82% खरीद के साथ प्रदेश में पहला स्थान हासिल कर प्रशासनिक सक्रियता और किसानों की भागीदारी का मजबूत उदाहरण पेश किया है। इसके अलावा बस्ती, प्रतापगढ़, बलरामपुर और संतकबीरनगर जैसे जिले भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। बेहतर प्रबंधन और पारदर्शी व्यवस्था ने किसानों का भरोसा मजबूत किया है।

डिजिटल व्यवस्था से आसान हुई प्रक्रिया- पंजीकरण से लेकर भुगतान तक पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाया गया है। किसान आसानी से पंजीकरण कर रहे हैं और उन्हें सीधे खातों में भुगतान मिल रहा है। साथ ही निगरानी व्यवस्था को मजबूत कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि अधिक से अधिक किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ मिल सके।

खबर का बड़ा असर: बिराहिमपुर में शुरू हुई सरकारी नलों की मरम्मत

- ....शिकायत के बाद जागा प्रशासन
- बिराहिमपुर ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार का बड़ा खेल उजागर, मरम्मत के नाम पर धन निकासी
- ग्रामीणों में आक्रोश 'शीर्षक से प्रकाशित हुई थी ख़बर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद (लखनऊ): मलिहाबाद क्षेत्र के बिराहिमपुर ग्राम पंचायत में सरकारी नलों की खराब स्थिति को लेकर उठी आवाज अब असर दिखाने लगी है। ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों और खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है, जिसके चलते गांव में बंद पड़े सरकारी नलों की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है।

स्वतंत्र प्रभात
26 Apr 2026 - Page 3
बिराहिमपुर ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार का बड़ा खेल उजागर, मरम्मत के नाम पर धन निकासी
● ग्रामीणों में आक्रोश
स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दरअसल, कुछ दिनों पहले बिराहिमपुर के ग्रामीणों ने प्रधान और सचिव पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि सरकारी नलों की मरम्मत के नाम पर धन उगाही की जा रही है, जबकि जमीनी हकीकत यह थी कि अधिकांश नल खराब पड़े थे और लोगों को पीने के पानी के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस मामले को लेकर ग्रामीणों में काफी नाराजगी थी और उन्होंने जांच की मांग भी उठाई थी। ग्रामीणों की शिकायत और मीडिया में खबर सामने आने के बाद संबंधित अधिकारी सक्रिय हुए। अब गांव में एक-एक कर खराब पड़े सरकारी नलों की मरम्मत कराई जा रही है, जिससे ग्रामीणों को राहत मिलने लगी है। मरम्मत कार्य शुरू होते ही लोगों में उम्मीद जगी है कि जल्द ही सभी नल सुचारू रूप से चालू हो जाएंगे।

वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते प्रशासन ध्यान देता तो उन्हें इस तरह आवाज उठाने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने यह भी मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की लापरवाही और कथित भ्रष्टाचार की पुनरावृत्ति न हो। फिलहाल, प्रशासन की इस कार्रवाई को ग्रामीणों ने सकारात्मक कदम बताया है, लेकिन साथ ही चेतावनी भी दी है कि यदि कार्य में फिर से लापरवाही हुई तो वे दोबारा आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

1400 किमी की धार्मिक पदयात्रा पूरी कर लौटे व्यापारी का हुआ स्वागत

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के घोसियाना मोहल्ला निवासी व्यापारी और खाटू श्याम भक्त सुजल जायसवाल के 1400 किलोमीटर की धार्मिक पदयात्रा पूरी कर लौटने पर उनका भव्य स्वागत हुआ। व्यापार मंडल और विभिन्न संगठनों ने उन्हें सम्मानित कर उत्साह बढ़ाया। सुजल जायसवाल 13 मार्च कों धार्मिक पदयात्रा पर निकले थे। उन्होंने नगर से यात्रा शुरू की और पैदल चलते हुए राजस्थान के सालासर और खाटू श्याम मंदिर पहुंचे। वहां विधिवत दर्शन और पूजा अर्चना की। इसके बाद उन्होंने उज्जैन पहुंचकर महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन किए। आगे इंदौर स्थित ओंकारेश्वर मंदिर सहित अन्य प्रमुख तीर्थ स्थलों का भ्रमण किया। लंबी और कठिन यात्रा के बाद वह सकुशल वापस अपने नगर लौट आए। वापसी पर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने फूल माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान सुजल जायसवाल ने कहा कि यह यात्रा भगवान खाटू श्याम की कृपा से सफल हो सकी।इस मौके पर गोपाल जी गुप्ता, महेश सोनी, पुष्कर गुप्ता, कृष्ण गुप्ता, राजन गुप्ता, सिमरन जायसवाल, राजकुमार गुप्ता, जायसवाल, पंकज जायसवाल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रेल कोच फैक्ट्री कॉलोनी में दो मौतें: महिला और सेक्शन इंजीनियर ने लगाई फांसी

- कुछ ही घंटों के अंतराल में हुई इन घटनाओं से कॉलोनी और आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) के आवासीय परिसर में शुक्रवार को दो अलग-अलग घटनाओं में एक महिला और एक सेक्शन इंजीनियर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कुछ ही घंटों के अंतराल में हुई इन घटनाओं से कॉलोनी और आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई। एक ही दिन में दो मौतों से कर्मचारियों में शोक और दहशत का माहौल है। पहली घटना टाइप-2 आवास संख्या 2236 ए की है। यहां रहने वाले रेल कर्मचारी पारस की पत्नी मीरा देवी (37) ने बालकनी में गमछे के सहारे फांसी लगा ली। परिवार मूल रूप से बिहार के कैमूर जिले का रहने वाला है। पति के अनुसार मीरा लंबे समय से बीमार थीं और बीमारी से परेशान होकर उन्होंने यह कदम उठा लिया। दूसरी घटना वर्कर्स क्लब के पीछे जंगल क्षेत्र में सामने आई। यहां गूलर के पेड़ से रेल कोच फैक्ट्री के शैल शॉप में तैनात सेक्शन इंजीनियर सुदामा मीणा (40) का शव लटका मिला। वह मूल रूप से राजस्थान के निवासी थे। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को नीचे उतरवाकर आवश्यक लिखापढ़ी के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। क्षेत्राधिकारी अमित सिंह ने बताया कि दोनों मामलों में सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। परिजनों को सूचना दे दी गई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मजदूर दिवस पर एल एंड टी कंस्ट्रक्शन ने श्रमिकों का किया सम्मान

- निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, सुरक्षा प्रशिक्षण और उत्कृष्ट श्रमिकों को पुरस्कृत किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जल जीवन मिशन सीतापुर की कार्यदायी संस्था एल एंड टी कंस्ट्रक्शन द्वारा मजदूर दिवस के अवसर पर धरनाग स्थित यार्ड में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रमिकों ने भाग लिया। आयोजन के दौरान श्रमिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और बेहतर कार्य करने वाले श्रमिकों को सम्मानित कर पुरस्कृत किया गया। विशेषज्ञों की टीम ने श्रमिकों को भविष्य निधि, कर्मचारी बीमा तथा विभिन्न श्रमिक कल्याण योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की। इसके साथ ही श्रमिकों को कार्य के दौरान पालन किए जाने वाले सुरक्षा मानकों और आवश्यक

दिशा-निर्देशों के बारे में बताया गया, ताकि कार्यस्थल पर होने वाली दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। कार्यक्रम में कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर बालेंद्र कुमार सिंह, सुमित शर्मा, अकाउंट मैनेजर विभाष कुमार, प्रभाकर कुमार, सेफ्टी इंचार्ज आशुतोष कुमार, युवराज, नीरज मिश्रा, अजय शुक्ला, स्टोर इंचार्ज जितेंद्र तिवारी, ठेकेदार सुधीर सिंह सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

लखनऊ एयरपोर्ट पर दुबई जा रहे युवक के बैग में मिला तमंचा, पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लगेज बुकिंग काउंटर पर दुबई जा रहे युवक के बैग से तमंचा बरामद हुआ। सीआईएसएफ ने युवक को सरोजनीनगर पुलिस के हवाले कर दिया। गोंडा के मनकापुर थाना क्षेत्र के चांदपुर लखपत राय का रहने वाला 22 वर्षीय महेश कुमार चौहान शुक्रवार सुबह करीब 5:45 बजे एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स 193 से दुबई जा रहा था। एयरलाइन के बुकिंग काउंटर पर लगेज की सुरक्षा जांच के दौरान उसके बैग से 12 बोर का तमंचा बरामद हुआ। सुरक्षाकर्मियों ने उसे सरोजनी नगर पुलिस को सौंप दिया। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि वह नौकरी के सिलसिले में दुबई जा रहा था। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस असलहा तस्करी की दिशा में भी जांच कर रही है।

वरिष्ठ पदाधिकारियों का स्वागत एवं सम्मान समारोह का किया आयोजन

- रजक समाज की संस्था संत गाडगे जन कल्याण सेवा समिति द्वारा सम्मान समारोह का किया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में नवनिर्वाचित महामंत्री जितेंद्र कुमार यादव उर्फ जीतू एवं संयुक्त मंत्री गोविंद कनौजिया को बड़े ही उल्लास के साथ सम्मानित किया गया रजक समाज के सैकड़ों वरिष्ठ बुद्धिजीवियों द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुए कहा गया कि अधिवक्ता समाज भी उसी तरह कार्य करता है, जिस प्रकार कनौजिया समाज बिना भेदभाव के समाज की सेवा करता है। अधिवक्ता समाज भी अपने कार्यो के माध्यम से सभी को न्याय दिलाने का कार्य करता है। रजक समाज गोविंद कनौजिया एवं जीतू यादव के निर्वाचित होने पर गौरवान्वित महसूस करता है इस मौके पर रजक समाज की प्रथम महिला अधिवक्ता, उच्च न्यायालय की अधिवक्ता शिवानी कनौजिया को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता अन्नू यादव, सत्य प्रकाश, एस.के. कनौजिया, सोनू कनौजिया (डायरेक्टर, सिटी कनौजिया रियल एस्टेट), टेंट एवं टाइट्स संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कनौजिया, महिला संगठन की अध्यक्ष सुनीता कनौजिया, जिला रजक कम्पू समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी, बी.के. कनौजिया, एडवोकेट रामचंद्र दिनकर, अधिवक्ता मुकेश कनौजिया, एडवोकेट गौरव कनौजिया, एडवोकेट अभिषेक कनौजिया, एडवोकेट रामनरेश, एडवोकेट परशुराम, एडवोकेट सौरभ, एडवोकेट संजय कनौजिया, संजय टेंट हाउस, अजय कनौजिया, राकेश कनौजिया, मनोज चौधरी, जितेंद्र कनौजिया उर्फ जीतू, अनिल कनौजिया (प्रदेश अध्यक्ष), अशोक पत्रकार, श्याम रजक, रजनीश यादव, दिनेश कनौजिया, सुनील कनौजिया, एडवोकेट विनोद चौधरी, रामकुमार, दीपक कनौजिया उर्फ बुलेट, अनूप कनौजिया (आरडीएसओ), आनंद कनौजिया आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक हरीश धोबी एवं जिला रजक कंपू समिति के पूर्व मीडिया प्रभारी ने लखनऊ बार संगठन के वार्षिक चुनाव में नव निर्वाचित महामंत्री जितेंद्र कुमार यादव उर्फ जीतू एवं संयुक्त मंत्री गोविंद कनौजिया को बड़े ही उल्लास के साथ सम्मानित किया और बुद्ध पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

बुद्ध के उपदेश समाज और आत्मा के लिए मार्गदर्शन - मुकेश रस्तोगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली- बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रदेश संगठन मंत्री मुकेश रस्तोगी ने शहरवासियों को शुभकामनायें देते हुए कहा कि यह पर्व केवल भगवान बुद्ध के जन्म, बोधि प्राप्ति और महापरिनिर्वाण की स्मृति नहीं है, बल्कि यह हमें उनके जीवन, आदर्शों और शिक्षाओं को अपनाने का अवसर भी प्रदान करता है। श्री रस्तोगी ने कहा कि भगवान सिद्धार्थ गौतम, जिन्हें हम भगवान बुद्ध के नाम से जानते हैं, का जीवन प्रेरणा और ज्ञान का स्त्रोत है। उनका जन्म लुम्बिनी में एक राजकुमार के रूप में हुआ था, लेकिन उन्होंने सांसारिक सुख सुविधाओं के मोह को त्याग कर मानवता के लिए ज्ञान और शांति का मार्ग चुना। उन्होंने बताया कि भगवान बुद्ध ने अपने जीवन में कई कठिनाईयों और संघर्षो का सामना किया, लेकिन उन्होंने हर परिस्थिति में संयम, धैर्य और विवेक का मार्ग अपनाया। भगवान बुद्ध ने अपने जीवन में चार आर्य सत्य और मध्यम मार्ग की शिक्षा दी, जो आज भी जीवन के मार्गदर्शन के रूप में प्रासंगिक हैं। चार आर्य सत्य हमें यह बताते हैं कि जीवन में दुख का अस्तित्व है, दुःख का कारण इच्छाओं और लालच में है, दुःख से मुक्ति संभव है और इसके लिए हमें सही मार्ग अपनाना होगा। मध्यम मार्ग जीवन में संतुलन बनाए रखने, अतिवाद और अति-संयम के बीच सामंजस्य स्थापित करने की शिक्षा देता है। श्री रस्तोगी ने कहा कि भगवान बुद्ध का संदेश केवल धार्मिक या आध्यात्मिक दृष्टि तक सीमित नहीं है। उनका उपदेश समाज में शांति, सहयोग और करुणा फैलाने का मार्ग भी है। उन्होंने हमें यह सिखाया कि जीवन में किसी के प्रति हिंसा नहीं करनी चाहिए, दूसरों के दुःख और पीड़ा को समझना चाहिए, और हमेशा सहानुभूति और प्रेम के भाव से काम करना चाहिए। इस दृष्टिकोण से ही समाज में स्थिरता, समानता और विकास संभव है। बुद्ध पूर्णिमा का पर्व हमें यह अवसर देता है कि हम अपने जीवन में भगवान बुद्ध के शिक्षाओं को उतारें। हमें अपने कार्यो में नैतिकता और जिम्मेदारी को अपनाना चाहिए, अपने विचारों में सकारात्मकता और करुणा को शामिल करना चाहिए, और समाज में सहयोग और शांति का वातावरण बनाने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। बुद्ध पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है, बल्कि यह हमें जीवन के वास्तविक उद्देश्य को समझने का अवसर देता है। हमें अपने जीवन में अहिंसा, करुणा और ज्ञान के मार्ग को अपनाकर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना चाहिए। भगवान बुद्ध ने हमें यह सिखाया कि जब हम अपने कर्मों में सजग रहते हैं और दूसरों के प्रति सहानुभूति रखते हैं, तभी जीवन में सच्चा सुख और संतोष प्राप्त होता है। श्री रस्तोगी ने कहा कि इस अवसर पर यह संकल्प लेना चाहिए कि वे अपने जीवन में अहंकार, ईर्ष्या और क्रोध को त्याग कर, ज्ञान, प्रेम और करुणा को अपनाएँ। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि व्यापारी, उद्योगपति और आम नागरिक सभी को अपने व्यवहार में संतुलन, ईमानदारी और सामाजिक उत्तरदायित्व को अपनाने की आवश्यकता है। यही वह मार्ग है, जो समाज में समरसता, सौहार्द और स्थायी विकास सुनिश्चित कर सकता है। श्री रस्तोगी ने सम्मानित नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने परिवार, समाज और कार्यक्षेत्र में भगवान बुद्ध के संदेशों को लागू करें। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध की शिक्षाएँ केवल व्यक्तिगत जीवन के लिए नहीं, बल्कि समग्र मानवता और समाज के लिए भी मार्गदर्शक हैं। उनका जीवन यह प्रमाण है कि सच्चा ज्ञान और करुणा केवल तभी फलती है, जब उसे कर्म में उतारा जाए।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल की ओर से समस्त प्रदेशवासियों को इस बुद्ध पूर्णिमा पर यह संदेश देते हुए कहा गया कि आइए हम सब मिलकर अपने जीवन को ज्ञान, करुणा और शांति से भरें। भगवान बुद्ध के आदर्शों का अनुसरण कर हम अपने समाज को अधिक मानवतावादी, सहयोगपूर्ण और प्रगतिशील बना सकते हैं।

लालवा गांव में किसान महासभा का आयोजन

- उन्नत धान प्रजातियों की दी जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर- लालवा गांव में सवाना कंपनी की ओर से किसान महा सभा का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के 450 से अधिक किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को उन्नत धान प्रजातियों 7301 एवं 7501 के बारे में जागरूक करना रहा। सभा में बताया गया कि ये दोनों प्रजातियां कम पानी, कम खाद एवं कम लागत में अधिक उत्पादन देने वाली किस्में हैं, जिससे किसानों को बेहतर लाभ प्राप्त हो सकता है। कार्यक्रम में किसानों को जानकारी देते हुए बताया गया कि धान की 7301 प्रजाति से किसानों को लगभग 32 से 35 क्विंटल प्रति एकड़ तक उत्पादन प्राप्त हुआ है, जबकि 7501 प्रजाति से 35 से 38 क्विंटल प्रति एकड़ तक उपज दर्ज की गई है। किसानों ने इन प्रजातियों को लाभदायक बताते हुए सकारात्मक अनुभव साझा किए। सभा को संबोधित करते हुए कंपनी के रीजनल मैनेजर दिग्विजय सिंह एवं टेरिटरी सेल्स मैनेजर मुनेंद्र मौर्य ने किसानों से आधुनिक खेती तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। इस दौरान सूर्य शुक्ला एवं अजीत शुक्ला सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

इस बार स्मार्ट मीटर, अगली बार EVM, बिजली बिल से नाराज लोगों का Video शेयर कर अखिलेश का तंज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर प्रीपेड स्मार्ट मीटर को लेकर गंभीर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे टेक्नोलॉजी का दुरुपयोग करार देते हुए कहा कि भाजपा सरकार बिजली विभाग में भ्रष्टाचार का एक बड़ा रैकेट चला रही है, जिसमें स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता को लूटा जा रहा है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जनता अब इस ठगी को अच्छी तरह समझ चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रीपेड मीटर की आड़ में बिजली कंपनियों और सरकार के बीच मिलीभगत से मीटर तेज चलाए जा रहे हैं, जिससे आम लोगों के बिल आसमान छू रहे हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि इस बार जनता स्मार्ट मीटर तोड़ रही है, तो अगली बार EVM की बारी आ सकती है। संक्षेप में, अखिलेश यादव ने बिजली मीटर मुद्दे पर योगी सरकार को घेरते हुए इसे जनता के खिलाफ साजिश बताया, साथ ही बौद्ध स्थलों के विकास का आश्वासन भी दिया।

श्रमिक ही हमारे देश में रीड की हड्डी है,सामाजिक कार्यकर्ता मो0 हसीन अंसारी

लहरपुर सीतापुर श्रमिक दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम का आयोजन आईकॉन हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर गणेशपुर लहरपुर सीतापुर में आयोजित किया गया। जिसमें सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद हसीन अंसारी ने श्रमिकों को सम्मानित करते हुए अपने संबोधन में बताया श्रमिक ही हमारे देश में रीड की हड्डी है जिससे हमारा देश निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर हो रहा है। कार्यक्रम में आइकॉन हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर की तरफ से एक सैकड़ा श्रमिकों को शाल और मोमेंट तो देकर सम्मानित किया गया और सभी श्रमिकों को उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई इस मौके पर मुख्य रूप से डॉ मोहम्मद इलियास डॉक्टर फोजिया समेत नर्सिंग स्टाफ और अस्पताल के कर्मचारी मौजूद रहे।

जनहित की जीत — आमरण अनशन समाप्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर (सिधौली)- जनपद सीतापुर की तहसील सिधौली के विकासखंड कसमंडा अंतर्गत ग्राम पंचायत बसंतपुर (मजरा मानपारा) एवं ग्राम पंचायत सुरैचा (मजरा देवीपुर) में विद्युतीकरण की मांग को लेकर 30 अप्रैल 2026 को शुरू हुआ अनिश्चितकालीन आमरण अनशन दूसरे दिन प्रशासन के ठोस एवं लिखित आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। ग्रामीणों के अनुसार, आजादी के लगभग आठ दशक बाद भी इन गांवों में बिजली जैसी मूलभूत सुविधा उपलब्ध नहीं हो सकी थी। समाजसेवी पुष्पेंद्र प्रताप सिंह 'बंदन' के नेतृत्व में लंबे समय से संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर समस्या के समाधान की मांग की जा रही थी। ग्रामीणों ने 'बिजली नहीं तो वोट नहीं' जैसे बैनरों के माध्यम से भी विरोध दर्ज कराया, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। बताया जाता है कि पूर्व में समाजसेवी पुष्पेंद्र प्रताप सिंह 'बंधन' द्वारा दोनों गांवों में विद्युतीकरण की मांग उठाई गई थी, जिसके तहत देवीपुर गांव में कार्य का शुभारंभ हो गया था, जबकि मानपारा गांव इस सुविधा से वंचित रह गया। इसी असमानता को लेकर ग्रामीणों में रोष व्याप्त हो गया और विरोध प्रदर्शन तेज हो गया। अंततः 30 अप्रैल को समाजसेवी पुष्पेंद्र प्रताप सिंह 'बंदन' आमरण अनशन पर बैठ गए। भीषण आंधी, तेज बारिश और तूफान के बावजूद वे पूरी रात धरना स्थल पर डटे रहे। उनके साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं, बच्चे एवं अन्य नागरिक भी मौजूद रहे, जिससे प्रशासन पर प्रभावी दबाव बना। दूसरे दिन प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए वार्ता की पहल की। तहसीलदार मुकेश कुमार शर्मा के प्रयासों एवं सार्थक संवाद के फलस्वरूप प्रशासन द्वारा शीघ्र विद्युतीकरण कराने का लिखित आश्वासन दिया गया। साथ ही, कार्य का शुभारंभ कर संबंधित सामग्री मौके पर पहुंचनी भी प्रारंभ हो गई। इस अवसर पर नायब तहसीलदार सत्यपाल सिंह, थाना अध्यक्ष कमलापुर, विद्युत उपखंड कमलापुर के अवर अभियंता (जेई) सुनील कनौजिया, लेखपाल जितेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। वहीं उप जिलाधिकारी सिधौली बालकृष्ण सिंह, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता ललित कृष्ण एवं एसडीओ से दूरभाष के माध्यम से भी वार्ता संपन्न हुई।

शासन की पाबंदी : फिर भी उल्ल नदी में ठेके पर शिकार कराए जाने के आरोप

- आखिर किसने दिया नियम विपरीत कुकुरा निवासी ठेकेदार अल्लामा को शिकार कराने का ठेका-बड़ा सबाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- मामला दक्षिणी खीरी वन प्रभाग की भीरा रेंज का है जहां पर नियम कानून को ताक पर रखकर तत्कालीन रेंजर और वन दरोगा तथा फॉरेस्ट गार्ड लतीफ खान की मिली भगत से मछली की शिकार का ठेका दिए जाने का मामला जन चर्चा का विषय बना है। सूत्र बताते हैं कि यह ठेका 1,20,000 रुपए में कुकुरा निवासी एक मुस्लिम समुदाय के व्यक्ति अल्लामा को दिया गया है।

जिसके चलते उक्त ठेकेदार विभागीय कर्मियों के संरक्षण में बेखौफ होकर नदी में शिकार करते देखा जा सकता हैशायद इसके लिए सरकार की पाबंदी कोई मायने नहीं रखती हैऔर ना ही भीरा रेंज के वन कर्मियों पर शासन के आदेश प्रभावी होते दिखाई पड़ रहे हैं*शायद यही कारण है कि शासन की पाबंदी के बावजूद भी भीरा रेंज के अंतर्गत उल्ल नदी में शिकार खिलवाई जा रही है जो एक गंभीर मामला है।।यहां पर अहम सवाल यह पैदा होता है कि आखिर किस सक्षम अधिकारी के आदेश से पाबंदी के बावजूद दिया गया मछली की शिकार का ठेका ?और किस सक्षम अधिकारी के आदेश से उल नदी में शिकार खिलवाई जा रही है? क्या यह वन्य जीव संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन नहीं है? यदि प्रभागीय वनाअधिकारी दक्षिणी खीरी कराए मामले की गोपनीय निष्पक्ष जांच तो भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला खुलकर आएगा सामने और आरोपियों पर भी गिरेगी कार्रवाई की गाज। अब देखना यह है कि दक्षिणी खीरी प्रभागीय वनाअधिकारी द्वारा उपरोक्त मामले पर क्या कार्रवाई की जाती है?सूत्र बताते हैं कि डी. एफ. ओ.दक्षिणी के दौरे की भनक लगने के चलते एक, दो दिनों के लिए शिकार रुकवा दी गई। जिससे शिकारियों और वन कर्मियों में हड़कंप मचा हुआ है। यह तो भीरा रेंज में हो रहे भ्रष्टाचार की मात्र एक बानगी भर है इस रेंज में विभिन्न कार्यो के लाखों का बजट आता हैं और निकाल कर बंदर बाट कर लिया गया और काग़ज़ों पर विकास कार्य दिखाकर लाखों/करोड़ों की धन राशि का बंटवारा कर लिया गया यदि डी. एफ. ओ. दक्षिणी खीरी कराएँ जांच टीम गठित कर निष्पक्ष जांच तो अकेले भीरा रेंज में गत 3 वर्षो में करोड़ों का घोटाला खुलकर आएगा सामने।सूत्रों की माने तो यह सारा खेल तीन सालों से भीरा रेंज में जमे रेंजर सतीश वर्मा और उनके चहेते और कमाऊ फॉरेस्ट गार्ड लतीफ खां की जुगलबंदी में खेला जाता रहा हैं।मामला चाहे गिद्धों की मौत का हो या फिर जंगल के अंदर उल्ल नदी में शिकार कराएँ जाने का मामला हो सभी के मास्टर माइंड यही खां साहिब ही बताये जाते हैं।गिद्धों की मौत के मामले की बात करें तो यदि लतीफ चाहते तो काफी गिद्धों को मरने से बचाया जा सकता था लकिन ऐसा नहीं हुआ जनाब ने मौके पर जाना तक उचित नहीं समझा।एक सूत्र द्वारा नाम का खुलासा नहीं करने पर बताया कि फॉरेस्ट गार्ड को सब कुछ मालूम है कि बकरी किसकी थी उस पर जहर क्यों और किसने डाला लकिन मिली सुविधा शुल्क और अपने चहेते को बचाने का खेल चल रहा हैं शायद इसीलिए मामले की लीपापोती की जा रही है और मामले को जान बूझकर दबाने का प्रयास चल रहा है।

वर्जन- इस इस संबंध में जब प्रभागीय वनाधिकारी दक्षिणी खीरी से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो उन्होंने बताया मामला मेरे संज्ञान में आया है मामले की जांच करवाते हैं जांच में दोषी पाई जाने वाले लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। वन दरोगा रामचंद्र से जानकारी लेने पर साहब तो दुध ही पी गए मट्ठा होने ही नहीं दिया कि मुझे जानकारी नहीं है मैं तो अभी आया हूं। वहीं वर्तमान रेंजर साहब ने बताया कि आप लतीफ खां से पूछ लो ,इन्हें सब मालुम है

संक्षिप्त खबरें

कॉउंसिल द्वारा अंकित विद्या निकेतन इंटर कालेज को शत प्रतिशत परिणाम पर मिला सम्मान

नैनी प्रयागराज। अंकित विद्या निकेतन कालेज राम नगर चौराहा अरैल नैनी के लिए यह गौरव का क्षण रहा, जब पत्रकार विकास काउंसिल के राष्ट्रीय महासचिव एवं सी न्यूज़ भारत के स्टेट हेड डी.के मिश्र एवं प्रदेश अध्यक्ष महिला बिंग बबिता शर्मा द्वारा विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ विद्यासागर मिश्र एवं प्रबंधक अनिल कुमार मिश्र और उप प्रधानाचार्य राधेश्याम त्रिपाठी को यूपी बोर्ड परीक्षा में शत प्रतिशत परिणाम आने पर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर कॉउंसिल के पदाधिकारियों ने विद्यालय प्रबंधक की सराहना करते हुए कहा कि उत्कृष्ट शैक्षिक वातावरण, अनुशासित शिक्षण व्यवस्था एवं शिक्षकों की मेहनत का ही परिणाम है कि विद्यालय ने शत-प्रतिशत सफलता हासिल की।विद्यालय परिवार ने इस सम्मान को छात्रों, अभिभावकों एवं समस्त शिक्षकों के संयुक्त प्रयास का परिणाम बताया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का संकल्प व्यक्त किया।प्रधानाचार्य डॉ विद्यासागर मिश्र ने बताया की यह हमारे विद्यालय के लिए गौरव का क्षण है और हम चाहते हैं हर वर्ष यह दिन देखने को मिले जिससे कि हमारे विद्यालय की गरिमा बनी रहे।उप प्रधानाचार्य राधेश्याम त्रिपाठी ने बताया कि हम हिंदी के अध्यापक हैं और हम चाहते हैं ।सम्मान समारोह में राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी संदीप सिंह संरक्षक नीलकमल तिवारी शैलेंद्र शर्मा सीताराम त्रिपाठी अंकित मिश्रा के साथ शिक्षकगण उपस्थित रहे।

गांव में लगी नई स्ट्रीट लाइट से दूर हुई अंधेरे की समस्या

नैनी। दादरी क्षेत्र ।महाकुंभ 2025 के दौरान नैनी क्षेत्र के दादरी तालुका अंतर्गत एक गांव में आवागमन की समस्या उस समय बढ़ गई थी, जब घर के पास लगा बिजली का पोल गिर गया था। इस पोल पर सभासद पवन यादव द्वारा स्ट्रीट लाइट लगाई गई थी, लेकिन पोल गिरने के कारण ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बाद में गांव में दो-तीन स्थानों पर नए बिजली के पोल लगाए गए। संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर पोल की व्यवस्था कराई गई और इस संबंध में समाचार पत्रों में भी सूचना प्रकाशित हुई। हालांकि, लगाए गए पोल पर लगी लाइट को कुछ अज्ञात लोगों द्वारा हटा दिया गया, जिसकी शिकायत बिजली विभाग से की गई थी। लगातार प्रयासों के बाद वर्ष 2026 में एक बार फिर से प्रकाश व्यवस्था बहाल की गई। यह कार्य सभासद राकेश जायसवाल के सहयोग से संभव हो सका, जिनके माध्यम से नई स्ट्रीट लाइट लगाई गई। इस कार्य के लिए सभासद पवन यादव, धर्मराज पटेल, राहुल जायसवाल (पत्रकार) सहित सभी सहयोगियों का भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने समय-समय पर समस्या के समाधान में सहयोग किया। ग्रामीणों ने कहा कि अब स्ट्रीट लाइट लगने से आवागमन सुगम हो गया है और सुरक्षा की दृष्टि से भी राहत मिली है।

लोकतंत्र के मंदिर का अपमान, सीएम रेखा गुप्ता का भगवंत मान पर बड़ा आरोप

आचरण को बताया 'शर्मनाक'

दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर तीखा हमला बोलते हुए उनके आचरण को लोकतंत्र के लिए 'शर्मनाक' करार दिया है। गुप्ता ने एक आधिकारिक बयान जारी कर आरोप लगाया कि भगवंत मान विधानसभा जैसे पवित्र सदन में नशे की हालत में उपस्थित हुए, जिससे न केवल सदन की गरिमा को ठेस पहुँची है, बल्कि पूरे राज्य का सिर भी शर्म से झुक गया है।

लोकतंत्र के मंदिर का अपमान

सीएम रेखा गुप्ता ने अपने बयान में कहा कि यह अत्यंत धिक्कार योग्य विषय है कि किसी राज्य का मुखिया स्वयं को इस अवस्था में सार्वजनिक पटल पर प्रस्तुत करे। उन्होंने कहा, 'लोकतंत्र के मंदिर में राज्य का मुखिया नशे की हालत में पहुँचता है और पूरे राज्य को शर्मसार करता है। दुनिया ने उन्हें पहले भी कई बार सार्वजनिक कार्यक्रमों में इस स्थिति में देखा है, लेकिन आज तो इंतहा हो गई जब पूरे देश ने विधानसभा के भीतर उनकी डगमगाती स्थिति को देखा। '

EVM गड़बड़ी पर ममता की सख्त चेतावनी

● EVM छेड़छाड़ हुई तो जीने-मरने की लड़ाई, स्ट्रांगरूम पहुंचीं सीएम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईवीएम अनियमितताओं के आरोपों के बीच कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि अगर मतदान मशीनों या मतगणना प्रक्रिया में किसी भी तरह की छेड़छाड़ की कोशिश हुई, तो वह 'जीने-मरने की लड़ाई' लड़ेंगी। 4 मई को होने वाली मतगणना से पहले उनके इस बयान ने राज्य की राजनीति में हलचल तेज कर दी है। ममता बनर्जी ने दक्षिण कोलकाता के सखावत मेमोरियल स्कूल स्थित स्ट्रांगरूम का दौरा किया, जहां भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र की ईवीएम और मतपत्र रखे गए हैं। उन्होंने यहां तीन घंटे से अधिक समय बिताया। यह दौरा उस समय हुआ जब तृणमूल कांग्रेस लगातार एक वायरल वीडियो के आधार पर स्ट्रांगरूम के आसपास संदिग्ध गतिविधियों का आरोप लगा रही है। स्ट्रांगरूम से बाहर निकलने के बाद ममता बनर्जी ने कहा कि अगर कोई ईवीएम मशीन चुराने या मतगणना में गड़बड़ी करने की कोशिश करेगा, तो वह जान की बाजी लगाकर उसका मुकाबला करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि वह पूरी जिंदगी इस मुद्दे पर लड़ाई जारी रखेंगी। सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद ही उन्होंने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लेने का फैसला किया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्रीय सुरक्षाबलों ने उन्हें शुरुआत में स्ट्रांगरूम में प्रवेश से रोका। हालांकि, उम्मीदवार होने के अधिकार का हवाला देने पर उन्हें अंदर जाने की अनुमति दी गई। उन्होंने कहा कि चुनाव नियमों के तहत उम्मीदवार और उनके प्रतिनिधि सीलबंद कक्ष तक जा सकते हैं। साथ ही उन्होंने प्रक्रिया में पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी पार्टी के एक प्रतिनिधि को गिरफ्तार किया गया है और एकतरफा कार्रवाई की जा रही है। मतगणना से पहले विवाद उस समय और गहरा गया जब तृणमूल कांग्रेस ने एक वीडियो जारी कर चुनाव सामग्री के प्रबंधन में गंभीर खामियों का आरोप लगाया। पार्टी का दावा है कि वीडियो में अधिकृत प्रतिनिधियों की अनुपस्थिति में मतपेटियों को खोला जा रहा है, जो नियमों का उल्लंघन है। TMC ने इस मामले में बीजेपी और चुनाव आयोग के बीच मिलीभगत का भी आरोप लगाया है।

दिल्ली का बुराड़ी इलाका बना अवैध शराब का हॉटस्पॉट, घरों के बाहर लगती हैं लंबी लाइनें

दिल्ली। उत्तरी दिल्ली का बुराड़ी इलाका इन दिनों अवैध शराब कारोबार का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। करीब दस लाख की आबादी वाले इस क्षेत्र में एक भी अधिकृत शराब ठेका न होने के कारण अवैध कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं। हालत यह है कि यहां की कई गलियों और कॉलोनियों में घरों से खुलेआम हरियाणा से लाई गई शराब बेची जा रही है, जिससे कानून-व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, बुराड़ी के पांच वार्डों में दर्जनों से अधिक ऐसे घर चिन्हित किए गए हैं, जहां से नियमित रूप से अवैध शराब की बिक्री हो रही है। संत नगर, झड़ौदा, जगतपुर, मिलन विहार और यमुना पुश्ता समेत कई कालोनियां इस गैरकानूनी गतिविधि की चपेट में हैं। यहां महिलाएं और पुरुष दोनों ही इस कारोबार में शामिल बताए जाते हैं, जिससे यह नेटवर्क और मजबूत होता जा रहा है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यह पूरा कारोबार पुलिस प्रशासन की जानकारी के बिना संभव नहीं माना जा रहा।स्थानीय लोगों का आरोप है कि बीट पुलिस को इन गतिविधियों की पूरी जानकारी है, लेकिन कथित सांठगांठ के चलते कार्रवाई नहीं की जाती। इससे अवैध शराब माफियाओं के हौसले और बढ़ गए हैं।

राहुल गांधी को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

● उनके खिलाफ एफआईआर की मांग वाली याचिका खारिज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका खारिज हो गई। याची सिमरन गुप्ता ने ट्रायल कोर्ट संभल के फैसले को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। भारतीय राज्य के संबंध में राहुल गांधी के बयान के आधार पर संभल ट्रायल कोर्ट में उन पर एफआईआर दर्ज करने के लिए सिमरन गुप्ता ने वाद दायर किया था। ट्रायल कोर्ट के वाद खारिज किए जाने के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने संभल ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। संभल की चंदौसी कोर्ट ने याचिकाकर्ता की ओर से सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल निगरानी याचिका को कमजोर होने के कारण खारिज कर दिया था। सिमरन गुप्ता ने अपर जिला एवं सत्र न्यायधीश चंदौसी कोर्ट की तरफ से दिए गए फैसले को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए याचिका दाखिल की थी। 15 जनवरी 2025 को राहुल गांधी ने कांग्रेस के नए मुख्यालय 'इंदिरा भवन' के उद्घाटन के दौरान कहा था, 'हमारी लड़ाई आरएसएस, बीजेपी और खुद इंडियन स्टेट से है।' उन्होंने कहा था, 'हमारी विचारधारा, आरएसएस की विचारधारा की तरह हजारों साल पुरानी है और हम हजारों वर्षों से आरएसएस की विचारधारा से लड़ रहे हैं। यह मत सोचिए कि हम निष्पक्ष लड़ाई लड़ रहे हैं। इसमें कोई निष्पक्षता नहीं है। अगर आपको लगता है कि हम भाजपा या आरएसएस नामक किसी राजनीतिक संगठन से लड़ रहे हैं तो आपने स्थिति सही से समझा नहीं है। भाजपा और आरएसएस ने हमारे देश की हर संस्था पर कब्जा कर लिया है। अब हम भाजपा, आरएसएस और खुद इंडियन स्टेट से लड़ रहे हैं। '

ईरान ने अमेरिका को बातचीत के लिए भेजा नया प्रस्ताव

● ... क्या होने वाली है बड़ी डील?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। ईरान ने अमेरिका के साथ बातचीत के लिए अपना नया प्रस्ताव पाकिस्तान के जरिए भेजा है। ईरानी सरकारी समाचार एजेंसी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। माना जा रहा है कि इस कदम से चल रहे युद्ध को खत्म करने की कोशिशों को नया रास्ता मिल सकता है। हालांकि प्रस्ताव के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि यह प्रस्ताव अभी तक अमेरिका तक पहुंचा है या नहीं। इस खबर के बाद वैश्विक तेल कीमतों में थोड़ी गिरावट देखी गई, क्योंकि इससे तनाव कम होने की उम्मीद जगी है।

स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से बढ़ा संकट

ईरान द्वारा हॉर्मुज जलडमरूमध्य में नाकेबंदी के कारण दुनिया की लगभग 20% तेल और गैस सप्लाई प्रभावित हुई है। वहीं अमेरिका ने ईरानी तेल निर्यात को रोकने के लिए नौसेना तैनात कर रखी है। इससे ऊर्जा की कीमतें बढ़ गई हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ी है। 8 अप्रैल से संघर्षविराम लागू है, लेकिन खबरें हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को नए सैन्य हमलों की योजना पर ब्रीफ किया जा रहा है।

हमले की आशंका

ईरान ने अपने एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय कर दिए हैं और चेतावनी दी है कि अगर हमला हुआ तो वह कड़ा जवाब देगा। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान को आशंका है कि अमेरिका सीमित हमला कर सकता है, जिसके बाद इजरायल भी कार्रवाई कर सकता है। इससे पहले फरवरी में अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद ईरान ने अमेरिकी ठिकानों और सहयोगी कंपनियों को निशाना बनाया था, जबकि हिज्बुल्लाह ने इजरायल पर मिसाइल दागी थीं।

अमेरिका की रणनीति

अमेरिका ने अपने अगले कदमों को लेकर अभी कुछ साफ नहीं किया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को स्वीकार नहीं करेंगे। तेल बाजार में भी उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड की कीमतों में हल्की गिरावट आई, लेकिन सप्ताह भर में यह काफी ऊपर रही। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर बातचीत में देरी हुई या तनाव बढ़ा तो हॉर्मुज लंबे समय तक बंद रह सकता है, जिससे वैश्विक बाजार प्रभावित होंगे।

श्रमवीर गौरव समारोह 2026 में मुख्यमंत्री अटल आवासीय विद्यालय, के छात्र हर्षित को पुरस्कृत किया

● प्रयागराज के कोरांव अटल विद्यालय के हर्षित ने सीबीएसई हाई स्कूल की परीक्षा में 95.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी की रिपोर्ट

ब्यूरो प्रयागराज। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित श्रमवीर गौरव समारोह 2026 में माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा अटल आवासीय विद्यालय, बेलहट, कोराव, प्रयागराज में अध्यनरत छात्र हर्षित को सीबीएसई हाई स्कूल की परीक्षा में 95.8 प्रतिशत अंक प्राप्त करने तथा प्रदेश के अटल आवासीय विद्यालयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु सम्मानित/ पुरस्कृत किया गया। साथ ही अटल आवासीय विद्यालय, प्रयागराज के प्रधानाचार्य को शत प्रतिशत सफलता परीक्षा फल एवं प्रदेश के सभी अटल आवासीय विद्यालयों में हाई स्कूल परीक्षा में औसत प्राप्तांक सबसे अधिक प्राप्त करने हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

प्रदेश से फिलहाल दूर रहेगी गर्मी, छह से आठ डिग्री तक गिरा पारा

उत्तर प्रदेश में पिछले तीन दिनों से जारी बूंदाबांदी और तेज हवाओं के असर से शुक्रवार को तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। कई क्षेत्रों में दिनभर ठंडी हवाएं चलती रहीं, जिससे मई का पहला दिन सुहावना रहा। गोरखपुर में अधिकतम तापमान 26.4 डिग्री और बलिया में 27.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से काफी कम है और प्रेक्षण इतिहास में क्रमशः तीसरा व पांचवां सबसे कम स्तर रहा। प्रदेश के करीब 15 जिलों में अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री के बीच रहा। उरई 41.6 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा, जबकि हरदोई में 17 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडी रात दर्ज की गई। पिछले 24 घंटों में कन्नौज में 54 मिमी, बलरामपुर में 52.6 मिमी, लखीमपुर खीरी में 51.8 मिमी, बरेली में 29 मिमी और गोरखपुर में 23.8 मिमी वर्षा हुई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, अगले दो दिन मौसम शुष्क रहेगा और धूप निकलने से तापमान में 6 से 8 डिग्री तक बढ़ोतरी होगी। चार मई से नया विक्षोभ सक्रिय होने पर फिर आंधी-बारिश की संभावना है। उन्होंने बताया कि मई में तराई क्षेत्रों में लू के दिन सामान्य से अधिक रह सकते हैं।

अब 15 मई तक गंगा एक्सप्रेसवे पर कर सकेंगे मुफ्त में सफर, CM योगी के निर्देश पर लिया गया फैसला

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने गंगा एक्सप्रेसवे को कामर्शियल ऑपरेशन की तिथि से 15 दिन तक टोल-फ्री रखने की घोषणा की है। यूपीडा ने कन्सेशनैयर्स आइआरबी और अदाणी इंफ्रास्ट्रक्चर को टोल वसूली रोकने के निर्देश दिए हैं, जबकि राजस्व नुकसान की भरपाई सरकार करेगी। 594 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे पर 15 दिनों तक लोग मुफ्त यात्रा कर इसकी गति, गुणवत्ता और सुविधाओं का अनुभव कर सकेंगे। मेरठ से प्रयागराज तक फैला यह प्रोजेक्ट 12 जिलों को जोड़ता है। पीपीपी मॉडल पर बने इस एक्सप्रेसवे में मेंटेनेंस और सुरक्षा मानकों का पूरा ध्यान दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित?यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने परियोजना के कन्सेशनैयर्स आइआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर और अदाणी इन्फ्रास्ट्रक्चर को 15 दिनों तक टोल कलेक्शन स्थगित रखने के निर्देश जारी कर दिए हैं। यूपीडा द्वारा जारी आदेश के अनुसार इस अवधि में यात्रियों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। इस पहल से संबंधित जिलों में पर्यटन की गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

संजय कपूर की संपत्ति नहीं बेच पाएंगी प्रिया

● करिश्मा के बच्चों को बड़ी राहत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- दिल्ली हाईकोर्ट ने कारोबारी संजय कपूर के संपत्ति विवाद में बड़ा फैसला सुनाया है. हाईकोर्ट ने संजय कपूर की संपत्ति को सुरक्षित रखने का आदेश दिया है. करिश्मा कपूर के बच्चों समाइरा और कियान को इस फैसले से बड़ी राहत मिली है. जबकि संजय कपूर की मौजूदा पत्नी प्रिया कपूर के लिए बड़ा झटका है. अदालत ने कहा है कि वसीयत को लेकर बच्चों के संदेह को दूर करने की जिम्मेदारी प्रिया कपूर पर है. बच्चों ने वसीयत पर संदेह का प्रथम दृष्टया मामला पाया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने करिश्मा के बच्चों की याचिका पर अंतरिम निषेधाज्ञा मंजूर की है.दिल्ली हाईकोर्ट ने संजय कपूर की संपत्तियों पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है. अदालत ने संजय कपूर के बैंक खाते फ्रीज किए हैं. दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले से रानी कपूर और करिश्मा कपूर को राहत मिली है। हाईकोर्ट ने कहा है कि प्रिया कपूर को करिश्मा के बच्चों द्वारा उठाए गए संदेह को दूर करना चाहिए. दिल्ली हाईकोर्ट ने बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर के दो बच्चों की अंतरिम रोक याचिका मंजूर करते हुए उनकी सौतेली मां प्रिया कपूर को संजय कपूर की संपत्ति को वितरित करने से रोक दिया है। जस्टिस ज्योति सिंह ने कहा, संपत्ति को नष्ट नहीं किया जाना चाहिए. संपत्ति को संरक्षित किया जाना चाहिए. दिल्ली हाईकोर्ट ने बैंक खातों के संचालन पर भी रोक लगाई है। अदालत ने संजय कपूर के बैंक खाते फ्रीज किए.जज ने कहा कि यदि मुकदमे की सुनवाई के दौरान वसीयत जाली साबित होती है, तो यह समायरा और कियान के साथ अन्याय होगा।

सिलापथार महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीनाथ पेगु का बिदाई सम्मान समारोह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। धेमाजी जिले के जाने-माने कॉलेजों में से एक सिलापथार महाविद्यालय, महाविद्यालय के द्वितीय स्थाई प्रिंसिपल, डॉ. लक्ष्मीनाथ पेगु ने 17 जनवरी 2012 को कॉलेज में योगदान किया कर अपने जीवन के 14 साल 4 महीने महाविद्यालय में सेवा कर आज अनुष्ठानिक रूप में सेवानिवृत्त हुए। महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में आज महाविद्यालय के छात्रा एकता सभा , शिक्षक कर्मचारी समूह की तरफ से आयोजित ओर महाविद्यालय के वाइस-प्रिंसिपल लीला नेवार के संचालन में हुए बिदाई सम्मान समारोह में जिले की विभिन्न महाविद्यालय के अध्यक्ष, सामाजिक संस्था के कार्यकर्ताओं, छात्रा संगठनो, जन्मलग्न से महाविद्यालय के साथ जुड़े हुए लोगो, महाविद्यालय के शिक्षक कर्मचारी छात्राओं ने फूलों की गुलदस्ते, गमुचा, मानपत्र से डॉ पेगू को सम्मानित किया। उनके चाहने वालों के साथ महाविद्यालय के परिवार के सभी ने उनके कार्यकाल के दौरान कॉलेज के लिए उनकी सेवाओं की भी तारीफ़ की और उनके रिटायरमेंट में उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की। बिदाई के समय पत्रकारों को दिए उनके टिप्पणी में उन्होंने कहा 15 अगस्त 1979 बृहत्तर सिलापथार इलाके के लोगों के आने वाले पोड़ी के उच्चशिक्षा के सपने को साकार करने में कामयाब रहे। ओर उनके अनुपस्थित में महाविद्यालय से जुड़े हुए सभी लोगों के प्रति आह्वान किया कि महाविद्यालय के विकास के हर कार्य ने सहयोग करे ताकि महाविद्यालय के साथ इलाके के नाम रोशन करे।वह आने वाले दिनों में समाज के लिए ओर लेखन में खुद को शामिल व्यस्त रखना पसंद करेंगे।

एल.पी. जी ब्लैक मार्केटिंग पर कानूनी शिकंजा

● क्या बोले दोषियों के वकील?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पेज न 1 की शेष खबर

वनिता घोष के वकील निशांक मट्टू ने दलील दी कि वह शादीशुदा हैं और उनके चार बच्चे हैं. उनके पति ने उन्हें छोड़ दिया है, इसलिए उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है. वह 62 साल की हैं और बुढ़ापे से जुड़ी कई बीमारियों से जूझ रही हैं. उन्हें ब्रेन हैमरेज भी हुआ है और अभी उनका कई बीमारियों का इलाज चल रहा है। कपिल गुप्ता के वकील ने कहा कि वह शादीशुदा हैं और उनके दो बच्चे हैं. वह अपने परिवार में अकेले कमाने वाले हैं. उनकी 63 साल की पत्नी और 30 और 28 साल के दो बेटों की देखभाल करने वाला कोई नहीं है. वह डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बुढ़ापे से जुड़ी कई बीमारियों से जूझ रहे हैं और उनका इलाज चल रहा है. उन्होंने प्रार्थना की कि उनके खिलाफ नरम रवैया अपनाया जाए।

क्या है पूरा मामला?- आपको बता दें कि यह मामला सीबीआई, एसीबी, नई दिल्ली में 20 अगस्त, 2010 को मेसर्स के खिलाफ रजिस्टर किया गया था. शिवनिक्का एंटरप्राइजेज, वनिता घोष, उसके पार्टनर और दूसरे अनजान सरकारी कर्मचारियों/ प्राइवेट लोगों पर, गैर-कानूनी लोगों को बहुत ज्यादा कीमतों पर LPG सिलेंडर बेचने का इल्जाम लगाया गया है. उन्होंने नकली/ अस्तित्वहीन कस्टमर्स के नाम पर बिक्री दिखाई, जिससे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) को धोखा मिला और एसेंशियल कमोडिटीज एक्ट, 1955 के नियमों का उल्लंघन हुआ। यह भी कहा गया कि 21 मई, 2010 को आईओसीएल और सीबीआई के अधिकारियों ने मिलकर सरप्राइज चेक किया, जब आरोपी फर्म के रजिस्टर, वाउचर और दूसरे रिकॉर्ड की जांच और वेरिफिकेशन किया गया. सीबीआई ने आरोप लगाया था कि वेरिफिकेशन से पहली नज़र में पता चला कि शिवनिक्का एंटरप्राइज ऐसे कस्टमर्स के नाम पर सिलेंडर सप्लाई के लिए रिफिल वाउचर बना रही थी जो अस्तित्व में नहीं थे और उस पर इसे ब्लैक मार्केट में बेचने का शक था।

यूपी के 10 लाख युवाओं की हुई मौज, अब 18 साल की उम्र में मिलेगा 5 लाख का बिजनेस लोन

आयु में छूट देने की तैयारी

लखनऊ। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना अभियान के तहत युवाओं को अपना कारोबार शुरू करने की खातिर ऋण उपलब्ध कराने के लिए न्यूनतम आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट देने की तैयारी की जा रही है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग ने इस संदर्भ में प्रस्ताव तैयार कर लिया है। योजना के तहत अभी तक 21 से 40 आयु वर्ष तक के युवाओं को बिना ब्याज व गारंटी के पांच लाख रुपये तक का ऋण दिया जा रहा है। एमएसएमई विभाग अब न्यूनतम आयु सीमा को कम करके 18 वर्ष करने की तैयारी कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश दिवस के मौके पर पिछले वर्ष 24 जनवरी को योजना का शुभारंभ किया था। योजना के तहत 10 वर्षों में बिना ब्याज व गारंटी के 10 लाख युवाओं को ऋण देने का लक्ष्य सरकार ने निर्धारित किया है।

मजदूर चौकों पर मोबाइल हेल्थ वैन, सामूहिक विवाह व सम्मान राशि की सौगात

● मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने श्रमिक दिवस पर मजदूरों के लिए कई कल्याणकारी घोषणाएं कीं, जिनमें मोबाइल स्वास्थ्य सुविधाएं और बेटियों के सामूहिक विवाह शामिल हैं। उन्होंने मजदूरों से डीबीओसीडब्ल्यूडब्ल्यूबी पोर्टल पर पंजीकरण कराने की अपील की ताकि वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को श्रमिक दिवस के अवसर पर मजदूरों के कल्याण के लिए कई बड़ी घोषणाएं कीं। इनमें मजदूर चौकों पर मोबाइल स्वास्थ्य सुविधाएं शुरू करना, उनकी बेटियों के सामूहिक विवाह कराना और उन्हें सीधा आर्थिक सहायता प्रदान करना शामिल है। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर धीरपुर स्थित संत निरंकारी अस्पताल निर्माण स्थल पर निर्माण मजदूरों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप दिल्ली सरकार मजदूरों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

डीबीओसीडब्ल्यूडब्ल्यूबी पर कराएं रजिस्ट्रेशन

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार मजदूरों की बेटियों के विवाह और उनके बच्चों की शिक्षा के लिए भी सहायता प्रदान करना चाहती है। इसके लिए उन्होंने मजदूरों से अपील की कि वे दिल्ली बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड (डीबीओसीडब्ल्यूडब्ल्यूबी) के पुनः सक्रिय किए गए पोर्टल पर अपना पंजीकरण अवश्य कराएं, ताकि वे सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ ले सकें।

गर्भवती महिला मजदूर को सम्मान राशि

मुख्यमंत्री ने बताया कि श्रम विभाग मजदूर चौकों पर विशेष शिविर लगाकर मजदूरों का पंजीकरण कराएगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही गर्भवती महिला मजदूरों को भी सम्मान राशि दी जाएगी। रेखा गुप्ता ने आगे कहा कि सरकार निर्माण स्थलों और मजदूर चौकों पर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए विशेष मोबाइल वैन तैयार कर रही है। साथ ही, मजदूरों की बेटियों के विवाह के लिए सीधा आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाएगी।

हर वर्ष 35,000 श्रमिकों को प्रशिक्षण

इस संबंध में सीएम के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर दी गई जानकारी में बताया गया कि कार्यक्रम में 1000 निर्माण श्रमिकों को सुरक्षा किट और श्रमिक परिवारों के 100 बच्चों को शिक्षा किट प्रदान की गई, साथ ही हर वर्ष 35,000 श्रमिकों को प्रशिक्षित करने वाले बड़े स्तर के कौशल विकास अभियान का शुभारंभ किया गया।

श्रमिकों के लिए कल्याणकारी पहल

उन्होंने घोषणा की कि हर वर्ष मजदूरों की बेटियों के लिए दो सामूहिक विवाह आयोजित किए जाएंगे।श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि मजदूरों के पंजीकरण का पोर्टल कई वर्षों से बंद पड़ा था, जिसे अब पुनः सक्रिय कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पहले डीबीओसीडब्ल्यूडब्ल्यूबी की योजनाओं की किसी को जानकारी नहीं थी, लेकिन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में अब विभिन्न कल्याणकारी पहल शुरू की गई हैं।

10 हजार मजदूरों की मदद

उन्होंने बताया कि प्रदूषण के कारण निर्माण गतिविधियां प्रभावित होने पर पंजीकृत मजदूरों को 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी गई थी। श्रम विभाग शहर में मजदूरों के स्किलिंग और प्लेसमेंट के लिए भी काम कर रहा है।